लखनऊ

शुक्रवार 13 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 327

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

जिस श्रम से हमें आनन्द प्राप्त होता है, वह हमारी व्याधियों के लिए अमृत, तुल्य है, हमारी वेदना की निवृतति है। - विलियम शेक्सपियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट क्रैश, 242 यात्री थे सवार

अहमदाबाद। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान AI-171 सरदार वल्लभभाई पटेल अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में कुल 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे। एयर इंडिया का विमान बोइंग 787-8 ट्विन जेट था। पुलिस नियंत्रण कक्ष के अनुसार, एयर इंडिया का विमान AI 171 लंदन जा रहा था। दुर्घटनास्थल पर धुएं का घना गुबार देखा गया और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं।

टाटा समूह और एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कहा कि विमान दुर्घटना स्थल पर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है और विमान दुर्घटना से प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा बहुत दुख के साथ, मैं पुष्टि करता हूं कि अहमदाबाद लंदन गैटविक से उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का विमान 171 आज एक दुखद दुर्घटना में शामिल था। हमारी संवेदनाएं और गहरी संवेदनाएं इस विनाशकारी घटना से प्रभावित सभी लोगों के परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि प्राथमिक ध्यान सभी प्रभावित लोगों और उनके परिवारों की सहायता करने पर है। 242 यात्रियों और चालक दल को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कई लोगों के हताहत होने की आशंका है, लेकिन इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। उपलब्ध दृश्यों में स्पष्ट रूप से दिखाया गया है कि बोइंग विमान दोपहर 2 बजे के आसपास अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास मेघानीनगर क्षेत्र में तेजी से ऊंचाई खो रहा था। चंद्रशेखरन ने कहा कि एक आपातकालीन केंद्र सक्रिय कर दिया गया है और जानकारी मांगने वाले परिवारों के लिए सहायता दल स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अधिक सत्यापित जानकारी प्राप्त होने के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी। इस बीच, एयरलाइन शेयरों ने गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एक इलाके में एयर इंडिया के विमान दुर्घटना पर नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। इंडिगो या इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के शेयर दोपहर करीब 2 बजे 3 प्रतिशत गिरकर 5,463 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इसी तरह, स्पाइसजेट के शेयर करीब 2 प्रतिशत गिरकर 44.30 रुपये के इंट्राडे लो पर पहुंच गए। गुजरात में अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास मेघानीनगर में गुरुवार दोपहर 242 यात्रियों को लेकर जा रहा एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एयरपोर्ट परिसर से धुएं का घना बादल उठता देखा गया। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विमान दुर्घटना के संबंध में गुजरात के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस आयुक्त से बात की। उन्होंने केंद्र सरकार की सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद यहां सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की। उन्होंने उनसे अहमदाबाद जाने और हवाई दुर्घटना के मद्देनजर प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने को कहा है।

हादसे को लेकर अत्यंत व्यथित हूं, अहमदाबाद प्लेन क्रैश को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताई संवेदना

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद राष्ट्रपति ने अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर अत्यंत व्यथित हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत व्यथित हूँ। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

संक्षेप

पहलगाम में बैसरन घाटी का दौरा करेगी संसदीय समिति, 28 जून को रवाना होगा दल

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पलहगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा पर्यटकों की हत्या के बाद पहली बार संसदीय समिति घटनास्थल का दौरा करेगी। यह दौरा 28 जून से शुरू हो सकता है, जिसमें कार्मिक, लोक शिकायत और कानून एवं न्याय मंत्रालयों से जुड़े लोग शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम की तारीख पर अभी अंतिम मुहर लगनी बाकी है, लेकिन बताया जा रहा है कि समिति मानसून सत्र शुरू होने से पहले पहलगाम का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, संसदीय समिति के लोग दिल्ली से जम्मू हवाई जहाज से पहुंचेंगे। यहां अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद सदस्य माता वैष्णो देवी के दर्शन करने जाएंगे। दर्शन के बाद जम्मू से श्रीनगर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस से रवाना होंगे। श्रीनगर में भी सदस्य अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद सदस्य बैसरन घाटी के लिए रवाना होंगे और घटनास्थल का दौरा करने के बाद आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देंगे। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकियों ने हमला कर दिया था और 26 निर्दोष पुरुष पर्यटकों की उनका धर्म पूछकर हत्या की थी। इसमें कई ऐसे पुरुष शामिल थे, जो अपनी शादी के कुछ दिन बाद ही हनीमून के लिए कश्मीर आए थे। उनकी पत्नी के सामने उनको गोली मारी गई। इसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर बमबारी कर उन्हें ध्वस्त कर दिया।

देवेंद्र फडणवीस और राज ठाकरे के बीच डेढ़ घंटे हुई मुलाकात, लग रही हैं कई अटकलें

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुंबई की एक होटल में हुई ये बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद संभावित गठबंधन को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। ये बैठक ऐसे वक्त हुई है, जब महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर पार्टियों की तैयारी तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहित कंबोज, मनसे के प्रमुख नेता बाला नांदगांवकर, नितिन सरदेसाई और संदीप देशपांडे भी मौजूद थे। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद ये फडणवीस और राज की पहली औपचारिक मुलाकात है। दावा किया जा रहा है कि मुलाकात में फडणवीस ने राज के बेटे अमित ठाकरे के लिए विधान परिषद में जगह देने की पेशकश की है। अमित माहिम से विधानसभा चुनाव हार गए थे। हाल ही में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई राज के साथ गठबंधन के संकेत दिए थे। उद्धव ने कहा था कि महाराष्ट्र की जनता जो चाहेगी, वही होगा। वहीं, संजय राउत ने भी कहा था कि उनकी पार्टी और मनसे संभावित सुलह पर कोई भी कदम उठाने को तैयार हैं और इसमें कोई राजनीतिक अहंकार नहीं है। दोनों भाइयों के बीच गठबंधन की चर्चाओं को देखते हुए मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

भारत की तकनीकी और डिजिटल प्रगति की पीएम मोदी ने की सराहना, युवाओं को दिया श्रेय

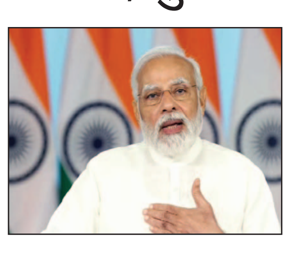

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारत की डिजिटल और तकनीकी प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि देश नवाचार और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डिजिटल प्रगति भी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में देश के प्रयासों को मजबूत कर रही है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी ने MyGovIndia का एक पोस्ट साझा किया, जिसमें बताया गया है कि कैसे भारत दुनिया का अगला प्रौद्योगिकी महाशक्ति बन सकता है और इस क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत के युवाओं की मदद से हम नवाचार और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर बनने और वैश्विक तकनीकी महाशक्ति बनने के हमारे प्रयासों को भी मजबूत कर रहा है।' भारत ने यूपीआई लेनदेन की मात्रा में 2500 गुना वृद्धि दर्ज की है, आंकड़ों से पता चलता है कि यूपीआई लेनदेन जो अप्रैल 2017 में 0.93 करोड़ था, अप्रैल 2025 तक बढ़कर 1867.70 करोड़ हो गया। भारत डिजिटल भुगतान क्रांति का भी नेतृत्व कर रहा है, जिसमें सालाना 18,600 करोड़ रुपये के लेनदेन के साथ 260 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया गया है।

मोदी ने यह भी लिखा कि भारत के युवाओं की मदद से हम इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर बनने और वैश्विक तकनीकी महाशक्ति बनने के हमारे प्रयासों को भी मजबूत कर रहा है। दुनिया में यूपीआई की स्वीकार्यता भी बढ़ी है और यह यूएई, सिंगापुर, नेपाल, फ्रांस, मॉरीशस, भूटान और श्रीलंका समेत सात देशों में लाइव है। भारत 94 करोड़ से ज़्यादा ब्रॉडबैंड कनेक्शन और 120 करोड़ से ज़्यादा टेलीफ़ोन सब्सक्राइबर के साथ दुनिया का सबसे सस्ता मोबाइल डेटा प्रदाता भी है।

राहुल गांधी का आरोप, कुंभ के दौरान भगदड़ में मरने वालों की संख्या छिपाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश सरकार पर प्रयागराज में 29 जनवरी को महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या को जानबूझकर कम बताने का आरोप लगाया। उन्होंने बीबीसी न्यूज़ हिंदी की एक जांच का हवाला दिया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि घटना के दौरान कम से कम 82 लोगों की मौत हुई, जो आधिकारिक तौर पर बताए गए 37 लोगों की संख्या से कहीं ज़्यादा है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि आर्थिक रूप से वंचित पीड़ितों की मौतों को आधिकारिक गणना से मिटा दिया गया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि BBC की रिपोर्ट बताती है कि कुंभ मेले की भगदड़ में हुई मौतों के आंकड़े छुपाए गए। जैसे COVID में गरीबों की लाशें आंकड़ों से मिटा दी गई थी।

सीएम योगी ने मेधावियों को किया सम्मानित, बालिकाओं की सराहना कर बोले– बालक भी खूब मेहनत करें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न बोर्डों के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उनका उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने मेधावियों को एक लाख रुपये का चेक, एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर उन्हें सम्मानित किया। इसके पहले, मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ एवं माध्यमिक संस्कृत शिक्षा निदेशालय, नवीन भवन सहित 122 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेधावियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस बार जो हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में जो परिणाम आए हैं उससे पता चलता है कि बालिकाओं ने बालकों के मुकाबले अधिक सफलता प्राप्त की है। इससे पता चलता है कि बालिकाएं मेहनत करने में आगे हैं। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी।

वित्त मंत्री बोले- हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है यूपी

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस दिन से शपथ ली है। हर क्षेत्र में मेरिट का सम्मान किया है। शिक्षा में मेधावी का समान यानि बेहतर भविष्य का निर्माण होगा। विभिन्न योजनाओं से छात्रों को शिक्षा के लिए बेहतर अवसर मिल रहे हैं। प्रदेश ही नहीं पूरा देश यूपी की योजनाओं को रोल मॉडल मान रहा है। सरकार ने संस्कृत को भी महत्व दिया है। अब इसका अपना नया भवन होगा। 42.42 करोड़ से भवन बनेगा। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के नए भवन का निर्माण भी होगा। आज सभी बोर्ड के 166 मेधावियों को एक, एक लाख का नकद पुरस्कार और टैबलेट वितरण किया जाएगा। जिला स्तर पर भी सम्मान समारोह किया जा रहा है। सभी मेधावियों को एक-एक टैबलेट, 21-21 हजार की राशि दी जा रही है। खेल के विजेताओं को भी सम्मानित किया जा रहा है।

बुरा विचार कभी भी जीवन में उसे कुचल देना चाहिए। किसी भी स्तर पर गलत विचार न पाले। एक छात्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बुरे विचार को मन में कभी भी पलने न दे। उन्होंने कहा कि यूपी बीमारू प्रदेश के रूप में जाना जाता था पर आज हर क्षेत्र में सुधार हो रहा है।

बुलंदियों पर पहुंचना कोई कमाल नहीं।

बुलंदियों पर ठहरना कमाल होता है।

माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने सम्भल से कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लाखों बच्चों के बीच सर्वोच्च स्थान पाना काफी महत्वपूर्ण होता है। प्रदेश की मेरिट सूची में प्रथम 10 स्थान पाने वालों को सम्मानित किया जाएगा। आप एक योग्य नागरिक बनकर, देश के लिए अपना सर्वोच्च योगदान देंगे।

उन्होंने कहा कि आज पहली बार मुख्यमंत्री खेल पुरस्कार दिए जा रहे हैं। उनकी सफलता का यह कदम, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश, देश का नाम रोशन करेंगे। 2025 की बोर्ड परीक्षा नकलविहीन हुई बिना पेपर लीक के। सीएम के निर्देशन में माध्यमिक विद्यालय में आईसीटी लैब की स्थापना हो रही है। माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद व निदेशालय के नए भवन का आज शिलान्यास भी होगा।

यह सभी छात्रों की मेहनत का परिणाम है। समय का विशेष ध्यान रखें, उसको पकड़ कर रखें। सक्रिय रहे और निरंतरता बनाए रखें। दृढ़ संकल्प से आगे बढ़े। विश्वास और सक्रियता से सकारात्मक भावना से लक्ष्य पाने के लिए काम करें। बार-बार अपने संकल्प को न बदले। पीएम, सीएम के रूप में एक उदाहरण है। कोई भी चुनौती आ गए, इनका मुकाबला नहीं कर सकती है। सीएम के नेतृत्व में अपराध मुक्त प्रदेश बना है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव बेसिक, माध्यमिक व वित्त दीपक कुमार, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा उपस्थित हैं।

जब भी देश आगे बढ़ता है तो कांग्रेस पार्टी दुख में डूब जाती है... किरेन रिजिजू का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके पास मुख्य विपक्षी पार्टी के लिए कोई इलाज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी देश आगे बढ़ता है तो कांग्रेस पार्टी दुख में डूब जाती है। भाजपा सांसद ने पिछले 11 वर्षों में भारत के विकास पर प्रकाश डाला और बताया कि भारत का निर्यात 50 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 800 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल में इतना काम हुआ है कि योजनाओं के नाम गिनना मुश्किल है। हम सभी पहलुओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और 800 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। जब मैं नया मंत्री था, तब हम लगभग हर चीज का आयात कर रहे थे। हमारा निर्यात 50 अरब डॉलर भी नहीं था। अगर कांग्रेस दुखी होती है जब देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश की जनता खुश है, तो मेरे पास उनके लिए कोई इलाज नहीं है।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व 'एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।' उन्होंने कहा कि गांवों में जो कौशल है - उनके उत्पादों को बाजार में लाने, उन्हें एक मंच देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इससे विभिन्न राज्यों के उत्पादों को एक दूसरे तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। सशक्तीकरण, समावेशन और सांस्कृतिक गौरव के साथ सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय राष्ट्रीय राजधानी के राजघाट स्थित बिरसा मुंडा लॉन, गांधी दर्शन में 11 जून से 15 जून तक लोक संवर्धन पर्व का आयोजन कर रहा है।

डिनो मोरिया हुए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश, मीठी नदी घोटाले से जुड़ा है मामला

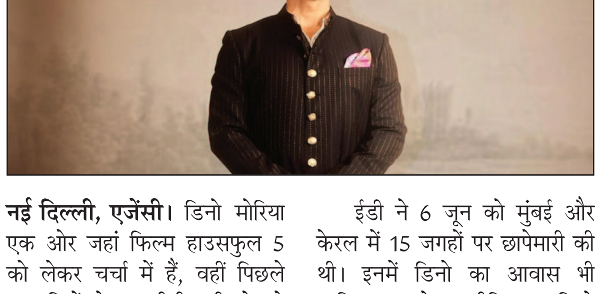

नई दिल्ली, एजेंसी। डिनो मोरिया एक ओर जहां फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चा में हैं, वहीं पिछले कुछ दिनों से वह मीठी नदी घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं।

65 करोड़ रुपये के इस घोटाले मामले में बुरे फंसे डिनो 12 जून को ईडी के कार्यालय पहुंचे, जहां उनके बयान दर्ज हो रहे हैं।

ईडी ने 6 जून को मुंबई और केरल में 15 जगहों पर छापेमारी की थी। इनमें डिनो का आवास भी शामिल था। सोशल मीडिया पर डिनो का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें मुंबई में ईडी के दफ्तर में प्रवेश करते हुए देखा जा रहा है। इस दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान थी। हालांकि, उन्होंने मीडिया से बातचीत नहीं की।

उन्हें गंभीरता से लेने की कोई जरूरत नहीं, राहुल गांधी और जयराम रमेश को लेकर ऐसा क्यों बोले संबित पात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के ट्वीट पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश और राहुल गांधी हमेशा पीएम मोदी पर हमला करने के नाम पर भारत को कठघरे में खड़ा करने की जल्दी में रहते हैं। उन्होंने जी7 के बारे में भी यही बातें कही थीं। लेकिन वे इस बारे में अपना चेहरा कहां छिपाएंगे? उन्हें गंभीरता से लेने की कोई जरूरत नहीं है। आज भारत वैश्विक मंच पर बहुत ऊंचे स्थान पर है।

कांग्रेस ने अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी दुनिया में बेहतरीन साझेदार बताए जाने पर बुधवार को कहा कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बारे में क्या कहना है और क्या यह कूटनीतिक झटका नहीं है। मुख्य विपक्षी दल ने एक खबर का भी हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर अमेरिकी सेना दिवस समारोह के लिए वाशिंगटन डीसी का दौरा करने वाले हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मुनीर का दौरा भारत के लिए एक और बड़ा कूटनीतिक झटका है। अमेरिका की केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने कहा है कि उनके देश को पाकिस्तान और भारत दोनों के साथ संबंध रखने होंगे। उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस समय आतंकवाद विरोधी लड़ाई में सक्रिय है और वह आतंकवाद विरोधी दुनिया में एक बेहतरीन साझेदार रहा है। उनकी टिप्पणी का हवाला देते हुए रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अभी अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख ने पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी अभियान में एक शानदार साझेदार बताया है।

लोकसभा चुनाव 2029 में लागू हो सकता है 33 प्रतिशत महिला आरक्षण, सरकार कर रही विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को लागू करने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विचार कर रही है, जिसके तहत अगले लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की जाएंगी। बताया जा रहा है कि महिला आरक्षण विधेयक परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है।

केंद्र सरकार के अधिकारियों ने बताया कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए जनगणना होगी। इसके बाद तय समय पर परिसीमन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद चुनाव आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन के आधार पर 2029 के चुनाव कराए जा सकेंगे।

बता दें कि जनगणना मार्च 2027 से शुरू होगा, जो 2 चरण में होगा। जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना के चलते इसे स्थगित कर दिया गया था। कानून के मुताबिक, इससे राज्य विधानसभाओं, केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली की विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसी 33 प्रतिशत में से एक तिहाई सीटें अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिलाओं के लिए होंगी। यानी एससी और एसटी महिलाओं को अलग से आरक्षण नहीं मिलेगा, बल्कि आरक्षण के भीतर ही आरक्षण होगा।

कमरे में खून से लथपथ मिला सिपाही का शव, सिर की हड्डी टूटी, पत्नी-बेटी लापता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के सुभाषनगर थाना क्षेत्र के मढ़ीनाथ में किराये के मकान में रहने वाली सिपाही मुकेश त्यागी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुधवार को उसका शव खून में लथपथ मिला। उसके सिर में गंभीर चोट के निशान थे। सूचना पर एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ द्वितीय अजय कुमार ने मौका मुआयना किया। फोरेंसिक यूनिट ने भी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। रिपोर्ट आने पर ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। सिपाही की पत्नी और बेटी लापता हैं। उनका फोन भी बंद आ रहा है। पुलिस उनके बारे में भी पता लगा रही है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि संभल जिले के थाना चंदौसी के मारवाड़ीगंज सेंथल गेट निवासी मुकेश त्यागी 2011 बैच के सिपाही थे। कोतवाली से निलंबन के बाद उनकी तैनाती पुलिस लाइन में थी। मढ़ीनाथ इलाके में वह पत्नी और बच्चों के साथ किराये के मकान में रहते थे। मुकेश शराब पीने के आदी थे और चार जून से ड्यूटी से नदारद चल रहे थे। उनका पत्नी से अक्सर झगड़ा होता रहता था।

मंगलवार को भी पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद पत्नी और बेटी घर से चले गए थे। शराब पीकर ड्यूटी करने के मामले में मुकेश के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी हो चुकी है। एसएसपी ने बताया कि सिपाही के सिर में चोट लगी है। प्रथम दृष्टया जांच में पाया गया है कि उसके गिरने के दौरान सिर दीवार में टकराने से ऐसा हुआ है। पत्नी और बेटी को तलाश किया जा रहा है। परिवार वालों को सूचित किया गया है। सभी पहलुओं पर बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

पत्नी और बेटी के मोबाइल ऑफ, तलाश में जुटी पुलिस

सिपाही मुकेश त्यागी की मौत के मामले में कई तथ्य उलझाऊ हैं। सिपाही की पत्नी और बेटी का कोई सुराग नहीं है। उनका मोबाइल फोन भी ऑफ आ रहा है। सूचना मिलने के बाद मुकेश के परिवार वाले भी बरेली पहुंच गए। फिलहाल वह भी घटना को लेकर कुछ बोलने से इन्कार कर रहे हैं। मुकेश चार जून से ड्यूटी नहीं जा रहे थे। उनके सिर में गंभीर घाव के साथ हड्डी भी टूटी है। घर में एक दीवार पर भी खून लगा हुआ है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि दीवार पर खून के निशान और सिर की चोट आपस में मेल खा रहे हैं। जांच में पति-पत्नी के बीच शराब के कारण अक्सर झगड़े की बात सामने आई है। मुकेश शराब के नशे में खुद ही गिरे और उनका सिर दीवार में टकरा गया या फिर किसी ने उनको धक्का दिया। इन सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

पत्नी और बेटी से संपर्क नहीं हो पा रहा। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि पत्नी और बेटी तीन दिन पहले आखरी बार देखी गई थीं। इस बात की संभावना से भी अधिकारी इन्कार नहीं कर रहे कि मुकेश ने दोस्तों के साथ शराब पी हो और फिर किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ हो। एसएसपी ने बताया कि जांच जारी है। घटना का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा।

शंकर सुवन लघु माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधक पर लगे वसूली के आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। शंकर सुवन लघु माध्यमिक विद्यालय, बहलोलपुर के प्रबंधक डॉ मनोज कुमार तिवारी पर विद्यालय में शिक्षक और कर्मचारियों से अवैध वसूली करने और मध्याह्न भोजन में घोटाले का लगा आरोप। बताते चलें शंकर सुवन लघु माध्यमिक विद्यालय, बहलोलपुर, सुल्तानपुर में कार्यरत सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने प्रबंधक मनोज कुमार तिवारी पर अवैध वसूली और मध्याह्न भोजन में हुए घोटाले का आरोप लगाते हुए मुख्य विकास अधिकारी, सुल्तानपुर को शिकायती पत्र दिया। विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों ने आरोप लगाया हैं कि यादवेंद्र यादव प्रधानाध्यापक के पद पर विभागीय अनुमोदन के फलस्वरूप दिनांक 26.03.2016 से कार्यरत हैं। जिनके नाम से मध्याह्न भोजन का खाता संचालित होना था। किंतु प्रबंधक ने अपने चहेते शिक्षक बद्री प्रसाद शुक्ल के द्वारा दिनांक 26.03.2016 से 31.03.2019 तक मध्याह्न भोजन की कन्वर्जन कास्ट निकाल कर रख ली गई जबकि मध्याह्न भोजन पर हुए कन्वर्जन कास्ट का भुगतान प्रधानाध्यापक ने अपने वेतन से किया। विद्यालय की साधारण सभा एवं प्रबन्ध समिति की बैठक मार्च 2016 से आजतक विद्यालय प्रांगण में नहीं हुई। विद्यालय की कृषि योग्य भूमि से प्राप्त संपूर्ण आय प्रबंधक द्वारा विद्यालय के खाते में जमा न कर स्वयं रख ली जाती है। जैसे आरोप लगाते हुए विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों समस्त साक्ष्य युक्त आरोपों की जांच दो सदस्यीय जांच समिति से कराने की मांग की है। शंकर सुवन लघु माध्यमिक विद्यालय, बहलोलपुर के प्रबंधक पर विद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारियों के द्वारा लगाए गए आरोप बहुत ही गंभीर हैं।

टक्कर के बाद ट्रक में फंसी वैन, 6 किमी तक घिसटती गई, चिल्लाते रहे लोग, दिल दहलाने वाला था मंजर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। आगरा-बाह मार्ग पर मंगलवार रात ट्रक और वैन की भीषण टक्कर हुई। हादसे में वैन ट्रक के पीछे फंस गई। इसके बावजूद चालक ने ब्रेक नहीं लगाए। वैन को घसीटता हुआ अपने साथ ही ले गया।

वैन में फंसे लोग चीखते-चिल्लाते रहे, लेकिन उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया। इससे वैन चालक की मौत हो गई। दो लोगों ने कूदकर जान बचाई। 6 किलोमीटर बाद वैन ट्रक से अलग हो गई। इसमें सवार दो अन्य लोग भी घायल हो गए। मिहोना, भिंड (मध्य प्रदेश) के पांच लोग मंगलवार की रात वैन से आगरा आ रहे थे। बाह में पेट्रोल पंप के पास आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे पीछे चल रही वैन ट्रक से टकरा गई और वैन का बंपर ट्रक में फंस गया।

इसके बावजूद चालक ने ट्रक नहीं रोका, बल्कि वैन को करीब 6 किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गया।

हादसे में वैन चालक सुनील कुशवाह (45) की मौत हो गई। उसके भाई वीर सिंह, चंद्रेश, राजू प्रजापति, मोनू घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को वैन से बाहर निकाल कर बाह अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। हादसे की सूचना पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए थे।

परिजन ने बताया कि दांत में दर्द होने पर सुनील इलाज के लिए अपने दोस्तों के साथ आगरा जाने के लिए निकला था। वह पानीपूरी बेच कर परिवार का भरण पोषण करता था।

मृतक की पत्नी राजवती, बेटे मनीष, गोलू, बेटी कोमल हैं। उधर, ट्रक को पकड़ा नहीं जा सका। एसीपी बाह रामप्रवेश गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा।

अभियान कौशल के जिला प्रभारी बने आशुतोष झा

सुलतानपुर। नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के तहत आशुतोष झा लकी को जिला प्रभारी मनोनीत किया गया। कौशल किशोर पूर्व केन्द्र राज्यमंत्री मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली नशे के खिलाफ आशुतोष कुमार झा लकी की लगन व निष्ठा को देखते हुए नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का जनपद सुलतानपुर का जिला प्रभारी मनोनीत किया। आशुतोष झा लकी ने कहा कि नशे के कारण आए दिन दुर्घटनाएं, पारिवारिक कलह, गरीबी, मानसिक परेशानी, शोषण, बलात्कार, भयंकर बीमारियां होती रहती है। वर्तमान में युवा पीढ़ी को इसकी लत बहुत अधिक लग चुकी है जिसके कारण कई युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नशे का सेवन करने से प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक लोगों की रोड दुर्घटना में मौत हो जाती हैं। लगभग 30,000 लोग कैंसर से पीड़ति हो जाते हैं और नशे का अत्यधिक सेवन करने के कारण 1.4 लाख से अधिक मृत्यु हो जाती है।

जीजा–साली ने की भागकर शादी, गांव में जैसे ही घुसे, गांव वालों ने जूतों की माला पहनाकर...

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक साली की अपने ही जीजा से अफेयर चल रहा था। एक साल पहले दोनों के रिश्ते की भनक परिवार वालों को लगी तो उन्होंने इसका विरोध किया, लेकिन दोनों नहीं माने। परिवार की बदनामी से आहत होकर साली के भाई ने सुसाइड भी कर लिया। फिर भी जीजा-साली पर कोई असर न हुआ। दोनों ने मंदिर में जाकर शादी कर ली। जब वापस गांव लौटे तो गांव वालों ने उन्हें जूते की माला पहनाकर घुमाया। इसके बाद जीजा-साली ने सुसाइड करने की कोशिश की।

दोनों ने जैसे ही कुएं में छलांग लगाई, गांव वालों ने उन्हें बचा लिया। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है। हालांकि, TV9 भारतवर्ष इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

उधर, पुलिस ने कहा- हमें मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। वीडियो की जांच करवाई जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मामला मझगई थाना क्षेत्र के गद्दीपुरवा गांव का है। शादी के बाद जीजा साली गांव पहुंचे तो परिवार और गांव वालों ने उन्हें पहले जमकर पीटा। गाली-गलौज की। यही नहीं, जूतों की माला पहनाकर दोनों को पूरे गांव में घुमाया। जीजा-साली को इससे इतनी बेइज्जती महसूस हुई कि उन्होंने कुएं में छलांग लगा दी। दोनों सुसाइड करने चले थे। तभी कुछ ग्रामीणों ने उनकी जान बचा ली।

जीजा-साली को सजा देनी थी

मामले की जानकारी जब गांव के प्रधान को लगी तो वो भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने समझदारी दिखाते हुए भीड़ को शांत करवाया। फिर जीजा साली को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बताया जा रहा है कि साली के भाई ने बदनामी के चलते कुछ दिन पहले आत्महत्या कर ली थी। इस बात से घर वालों में रोष था। फिर जब जीजा साली ने शादी ही कर ली तो गुस्सा और ज्यादा फूट पड़ा। परिवार ही नहीं, गांव वालों ने भी दोनों को सजा देने का फैसला किया था। इसी के चलते दोनों को जूतों की माला पहनाकर गांव में घूमाया जा रहा था। उधर, वीडियो संज्ञान में आने के बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

यूपी पुलिस के सिपाही ने युवती से की छेड़खानी, बात नहीं मानी तो छत से फेंका, रीढ़ की हड्डी टूटी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां छेड़छाड़ का विरोध करने पर डायल 112 के सिपाही ने लड़की को छत से फेंक दिया। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान की लड़की की रीढ़ कि हड्डी टूट गई है। साथ ही उसका एक पैर भी फ्रैक्चर हो गया है। पीड़िता को इलाज के लिए लोहिया अस्पतालमें भर्ती कराया गया है। परिजन का आरोप है कि आरोप सिपाही ने उनके साथ भी मारपीट की है।

लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र के तहत आने वाले लालपुर इलाके में छेड़छाड़ का विरोध करने पर उत्तर प्रदेश पुलिस के एक सिपाही ने एक लड़की से मारपीट करते हुए छत से फेंक दिया है। घटना की जानकारी देते हुए पीड़िता ने बताया कि डायल 112 का सिपाही मुकेश यादव की गलत नजर मेरे ऊपर थी। कई बार आते-जाते हाथ पकड़ लेना, जबरन रास्ता रोका लेना साथ ही वह मुझसे गंदी बातें करता था।

इन सब से तंग आकर मैंने सिपाही की पत्नी कुमकुम यादव से शिकायत की तो उन दोनों से मेरी कहासुनी हो गई। इसके बाद पति-पत्नी मेरे पास आते हैं और घटना के सबूत मांगते हैं। साथ ही इस बीच कुमकुम मुझे तुरंत थप्पड़ मार देती और फिर वह दोनों मुझे धमकाने लगते है। इस दौरान जब मैंने उन लोगों का विरोध किया तो उन्होंने मुझे दो मंजिला मकान से नीचे फेंक दिया। साथ ही मेरे घरवालों से बदतमीजी करते हुए सिपाही और उसकी पत्नी ने मारपीट की।

परिजन ने सिपाही पर लगाए गंभीर आरोप

परिजनों का आरोप है कि लड़की को छत से फेंकने की वजह से उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई है। साथ ही एक पैर भी फ्रैक्चर हो गया है। उसे लखनऊ के ही राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। लड़की के पिता ने बताया कि उनका परिवार पिछले लगभग 1 साल से लालपुरवा इलाके में किराए के मकान में रह रहा है। इस फ्लोर के सामने किराए पर एक सिपाही दंपति भी रहता है।

आरोपी सिपाही वर्दी का झाड़ता था रौब

उन्होंने बताया कि सिपाही मुकेश यादव ने उनकी बेटी के साथ कई बार गलत व्यवहार किया और विरोध करने पर वह हमेशा अपनी वर्दी का रौब झाड़ता था। एक दिन तंग आकर बेटी ने सिपाही की पत्नी से उसकी शिकायत की थी। इस बात से बौखलाया सिपाही उसकी पत्नी और उसके साले अंकित यादव ने बेटी से मारपीट करते हुए उसे छत से फेंक दिया। जब मैं मौके पर पहुंचा तो उन्होंने मेरे साथ भी गाली गलौज करते हुए मारपीट की।

आरोपी सिपाही पर FIR दर्ज

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने आरोपी सिपाही के खिलाफ थाने में FIR दर्ज कराई है। मामले की जानकारी देते हुए बीबीडी थाने की पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सबूतों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

सामाजिक संगठन के स्थापना दिवस पर हुआ स्वैच्छिक रक्तदान

सुल्तानपुर। सामाजिक संगठन इंडिया एंटी करप्शन फोर्स (रजि.) के स्थापना दिवस पर संगठन के सदस्यों ने स्वैच्छिक रूप से रक्तदान किया। ब्लड बैंक सुल्तानपुर में आयोजित किए गए रक्तदान के कार्यक्रम में उद्घाटन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव किया। वहीं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर.के मिश्रा ने सभी रक्तदानियों की हौसला अफजाई करते हुए प्रशंसा भी की। ब्लड बैंक प्रभारी प्रोफेसर डॉ.संजय सिंह ने बताया कि ब्लड बैंक जरूरतमंदों की जरूरत हमेशा पूरी करता रहेगा। संगठन के अध्यक्ष रमाशंकर पांडे ने कहा कि जीवन में सभी को एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। महासचिव विपिन मिश्र एवं विधिक सलाहकार देवेंद्र पाठक ने मीडिया को बताया कि संगठन ऐसे ही अनेकों सराहनीय कार्य करता रहेगा। उपाध्यक्ष राजीव तिवारी, सचिव संतोष मिश्र, मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, सहित कुल 15 रक्तदानियों ने रक्तदान किया।

2 बच्चों की मां संग 'सुहागरात' मनाने पहुंचा पड़ोसी, डिमांड नहीं हुई पूरी तो कमरे में घुसा, फिर अगले दिन...

आर्यावर्त संवाददाता

संतकबीरनगर। इन दिनों एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर होना कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। आए दिन इस तरह की खबरें सामने आती रहती हैं। लेकिन शादी के बाद पार्टनर को धोखा देना कभी-कभी खुद पर ही भारी जरूर पड़ जाता है। ठीक ऐसा ही एक मामला सामने आया है उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर से। यहां दो बच्चों की मां को पड़ोसी से प्यार हो गया। आधी रात को पड़ोसी अपनी शादीशुदा गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंच गया। गर्लफ्रेंड ने उसकी डिमांड पूरी नहीं की तो नाराज होकर पड़ोसी ने आत्महत्या कर ली।

अगली सुबह जैसे ही महिला ने अपने कमरे का दरवाजा खोला तो पड़ोसी की लाश वहां लटकी हुई थी। लाश देख महिला की चीख निकल पड़ी। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। उधर, मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर मामला दर्ज करवाया है।

मामला महुली थानाक्षेत्र के अगया उर्फ सिदाही गांव का है। यहां रहने वाले 22 वर्षीय राजपाल चौधरी का शव उसके पड़ोस में रहने वाली एक विवाहिता महिला के घर से बरामद हुआ। राजपाल का शव कमरे में फंदे से लटका मिला था। राजपाल के परिजनों का आरोप है कि जमीन के विवाद में महिला ने उनके बेटे की हत्या की है। जबकि, महिला ने बताया कि उसका राजपाल के साथ अफेयर था। पति बाहर दूसरे प्रदेश में काम करता है। आधी रात को राजपाल उससे मिलने उसके घर आया। वो उसके साथ संबंध बनाना चाहता था। लेकिन महिला अपने दोनों बच्चों को लेकर छत पर सोने चली गई। इससे नाराज होकर राजपाल ने आत्महत्या कर ली।

'जबरदस्ती कर रहा था'

महुली पुलिस को महिला ने बताया- मंगलवार को देर रात जब राजपाल चौधरी मेरे घर में घुस आया। वो मेरे साथ जोर जबरदस्ती करने लगा तो मैं दोनों बच्चों के साथ छत पर सोने चली गई। इस दौरान उक्त राजपाल ने मेरी ही साड़ी का फंदा बनाकर कमरे में आत्महत्या कर ली। जब सुबह मैं कमरे में गई तो राजपाल का शव फंदे से लटका मिला।

थाने के बाहर हंगामा

दूसरी तरफ मृतक की मां सुशीला देवी और बहनों का आरोप है- राजपाल की हत्या हुई है। आरोपी महिला के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। थाने के बाद काफी देर तक मृतक के घर वालों ने हंगामा किया। बाद में पुलिस की समझाइश के बाद हंमामा शांत करवाया गया। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

21 हजार रुपये का चेक और टैबलेट पाकर खिले मेधावियों के चेहरे, सपनों को मिली नई उड़ान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में यूपी बोर्ड के मेधावियों को बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सम्मानित किया। अतिथियों ने मेडल पहनाकर, 21 हजार की पुरस्कार राशि का चेक और टैबलेट देकर सम्मान किया। वहीं, अमर उजाला की ओर से भी मेधावियों का सम्मान किया गया।

कलक्ट्रेट सभागार में पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के सजीव प्रसारण से हुई। इसमें बाद मुख्य अतिथि सांसद अरुण कुमार सागर, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, विधायक हरिप्रकाश वर्मा, विधायक अरविंद सिंह, डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने 10वीं और 12वीं के 10-10 मेधावियों को पुरस्कृत किया। अतिथियों ने मेधावियों को कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया।

पंडित रामनाथ मिश्रा हायर सेकेंडरी स्कूल के अभय प्रताप सिंह, आचार्य राम मोहन मिश्रा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जलालाबाद के अभय सिंह, नवोदित पब्लिक इंटर कॉलेज म्यूना खुदागंज के शिवांश सिंह, न्यू ग्रेट स्कालर्स हाईस्कूल से इस्लामगंज अल्हागंज के अनमोल कुमार, सुभद्रा देवी महेश चंद्र बालिका इंटर कॉलेज हमजापुर निगोही की निधि, संजय कुमार सरस्वती कॉलेज के वीरेंद्र पाल, पंडित रघुवर दयाल मिश्रा इंटर कॉलेज चिलौआ की अनामिका, पंडित रामनाथ मिश्रा हायर सेकेंडरी स्कूल अल्हागंज के केशव गुप्ता, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तिलहर की अंशिका पाल, आदर्श बाल विद्यालय इंटर कॉलेज मीरानपुर कटरा के संदीप को सम्मान मिला।

मां शारदे इंटर कॉलेज तिलहर के ज्ञानेश मौर्या, संजय कुमार सरस्वती कॉलेज के आशीष श्रीवास्तव, सर्वहितैशी इंटर कॉलेज हमजापुर की शिखा व प्रांशी राठौर, सर्व समाज इंटर कॉलेज बलदेवपुर की अभिनव सिंह राजपूत, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पुवायां के आकर्ष कुमार शुक्ला, काकोरी शहीद इंटर कॉलेज के अनुभव, श्री बृजपाल सिंह इंटर कॉलेज महमूदपुर की अंजलि देवी, पंडित रघुवर दयाल मिश्रा इंटर कॉलेज चिलौआ की जागृति मिश्रा और सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पुवायां की स्वर्णिम को सम्मानित किया गया।

मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर मेधावियों को सम्मानित किया। सांसद अरुण सागर, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, विधायक अरविंद सिंह, डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह, डीआईओएस हरिवंश कुमार ने छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाए और प्रशस्ति पत्र दिए। अतिथियों ने कहा कि सम्मान हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

दुल्हन के बेडरूम में हुई आहट, बाहर सो रहे दूल्हे की टूट गई नींद, फिर खुला संदूक और...

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुशीनगर। हर किसी का प्यार मुकम्मल नहीं होता। वो खुशकिस्मत होते हैं, जिनकी शादी उनके प्यार से होती है। लेकिन कई बार प्यार में फेल लोग कुछ ऐसी हरकतें कर बैठते हैं जो उनके लिए ही मुसीबत खड़ा कर देती हैं। ऐसा ही हुआ उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में। यहां नेबुआ नौरंगिया प्यार में पागल एक युवक ने सभी हदें पार कर दीं। चार दिन पहले ब्याही गई प्रेमिका से मिलने वह आधी रात को उसके ससुराल जा पहुंचा।

प्रेमिका ने उसे खिड़की से अंदर बुलाकर संदूक में छिपा लिया। लेकिन किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया। पति की अचानक नींद खुली, आहट मिली, जांच हुई, और जब संदूक खुला तो सारा राज फाश हो गया। इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे गांव को हिला कर रख दिया।

जानकारी के मुताबिक, तुर्कपट्टी क्षेत्र की युवती की शादी बीते बुधवार को नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के युवक से हुई थी। शादी के दूसरे ही दिन वह अपने ससुराल आ गई। लेकिन शादी से पहले वह अपने गांव के ही एक युवक से प्रेम करती थी। दोनों का प्रेम प्रसंग कई सालों से चल रहा था। जुदाई सहन नहीं हुई तो प्रेमी अपनी प्रेमिका की ससुराल आ पहुंचा।

बरामदे में सो रहा था दूल्हा

शनिवार शाम को घर के सदस्य एक रिश्तेदार के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में चले गए थे।आधी रात के करीब प्रेमी खिड़की के रास्ते घर में घुसा। उस वक्त घर में युवती अकेली थी और उसका पति बाहर बरामदे में सो रहा था।

संदूक से निकला बॉयफ्रेंड

रात को करीब दो बजे पति की नींद टूटी। उसे घर के अंदर कुछ हलचल महसूस हुई। जब वह कमरे में गया तो दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने पर पत्नी ने थोड़ी देर में दरवाजा खोला। पति को शक हुआ, तो उसने कमरे की तलाशी लेनी शुरू की। संदूक पर रखे सामान की स्थिति बदली दिखी, तो उसने संदूक खोला अंदर प्रेमी छिपा बैठा था।

बॉयफ्रेंड की हो गई पिटाई

पति ने शोर मचाया और गांव वालों को बुला लिया। देखते ही देखते लोग इकट्ठा हो गए। युवक को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई की गई। हाथ-पैर बांध दिए गए और मुंह में कालिख पोत दी गई। गांव में जुलूस निकाला गया। लोगों ने सरेआम उसे अपमानित किया। यह नजारा गांव में चर्चा का केंद्र बन गया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। घटना की सूचना किसी ने पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को भीड़ से छुड़ाया और सुरक्षित थाने ले गई। परिजनों को बुलाकर युवक को सौंपा गया। बताया जा रहा है कि युवक रिश्ते में अपनी गर्लफ्रेंड का भतीजा लगता है। अब इस मामले में पिटने वाले युवक की मां ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। साथ ही दूल्हे ने भी दुल्हन के प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मुख्यमंत्री का मेधावी छात्रों को संबोधन और अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर संवेदना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमर उजाला द्वारा आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत का कोई दूसरा विकल्प नहीं होता। परिश्रम से ही सफलता मिलती है और संघर्ष व पुरुषार्थ से अर्जित उपलब्धियां व्यक्ति के जीवन को स्थायित्व, निष्पक्षता, संवेदनशीलता एवं निर्भीकता प्रदान करती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उदाहरण देते हुए कहा कि यह नीति भी इसी समन्वय को दर्शाती है।मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 की उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद तथा माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं तथा आर्थिक रूप से कमजोर होते हुए भी सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने उन्हें बधाई दी और जीवन में चुनौतियों से न घबराने, निरंतर प्रयास करने और समग्रता से जीवन जीने का संदेश दिया।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आज बड़ी संख्या में मेधावी छात्रों को पुरस्कार के साथ टैबलेट भी प्रदान किए गए हैं। संस्कृत को भारतीय संस्कृति की आत्मा बताते हुए उन्होंने माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद एवं संस्कृत शिक्षा निदेशालय के नए भवन का शिलान्यास भी किया।उन्होंने बताया कि अमर उजाला फाउंडेशन ने माध्यमिक शिक्षा परिषद के 12 मेधावी छात्रों को मेडल, प्रमाणपत्र व ई-स्कूटर, तथा संस्कृत शिक्षा परिषद के 7 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही 10 आर्थिक रूप से विपन्न मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपनी मेहनत से सफलता हासिल की।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के नवयुग की चर्चा की और कहा कि तकनीक अब विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले परीक्षाओं में नकल बहुत होती थी, जिससे युवाओं की पहचान प्रभावित हुई थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश देश के विकास में अग्रणी बन चुका है।उन्होंने छात्रों को स्मार्टफोन और टैबलेट पर अध्ययन कार्य के लिए सीमित समय देने का सुझाव दिया और कहा कि तकनीक का इस्तेमाल ज्ञान प्राप्ति के लिए सहायक होना चाहिए, न कि सोचने की क्षमता को कमजोर करने वाला।मुख्यमंत्री ने लोकप्रिय हिंदी दैनिक अमर उजाला की निष्पक्ष पत्रकारिता और सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हुए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की।इस अवसर पर MSME मंत्री राकेश सचान, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास मंत्री संजय सिंह गंगवार, अमर उजाला के संपादक विजय त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, मेधावी छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा, खेल और संस्कारों को जोड़ने पर दिया जोर, मेधावी छात्रों का सम्मान किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में आयोजित 'मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा को संस्कारों, तकनीक और खेल से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2020 में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सकारात्मक परिणाम धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। पिछले आठ वर्षों में प्रदेश की माध्यमिक और स्कूली शिक्षा की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।मुख्यमंत्री ने परीक्षा प्रणाली पर भी अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि परीक्षा छात्रों के आकलन का माध्यम होनी चाहिए, जो उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करे। उन्होंने सभी छात्रों को प्रधानमंत्री की पुस्तक 'एग्जाम वारियर' पढ़ने की सलाह दी और इसका उपयोग शिक्षा परिषद द्वारा बढ़ावा देने की बात कही।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लगभग 122 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। साथ ही 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं को 'मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार' प्रदान किए। माध्यमिक शिक्षा विभाग, टाटा नेल्को और जापानी कंपनी यास्कावा के बीच ड्रीम लैब की स्थापना के लिए एमओयू भी हुआ, जिसका उद्देश्य छात्रों को डिज़ाइन, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 163 करोड़ रुपये है।मुख्यमंत्री ने प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा परिषद के हालिया परीक्षाफल का जिक्र करते हुए बताया कि इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाओं में बालिकाओं का परिणाम बालकों की तुलना में बेहतर रहा है। हाईस्कूल में बालिकाओं का पास प्रतिशत 93.87 जबकि बालकों का 86.66 है। इंटरमीडिएट में भी बालिकाओं का परिणाम अधिक रहा। टॉप मेरिट में बालिकाओं की संख्या अधिक है। मेरिट सूची में आने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार, टैबलेट, मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।खेलों के क्षेत्र में भी प्रदेश के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 363 खिलाड़ियों ने 179 पदक जीते, जिनमें 51 स्वर्ण, 46 रजत और 82 कांस्य पदक शामिल हैं। पदक विजेताओं को प्रदेश सरकार की ओर से नगद पुरस्कार भी दिए गए।संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद का नया भवन बनना शुरू हुआ है, जिसमें आधुनिक लाइब्रेरी और प्रशिक्षण सुविधाएं होंगी। इसके साथ ही प्रोजेक्ट अलंकार के तहत कई सरकारी बालिका इंटर कॉलेजों के नए भवनों का शिलान्यास भी हुआ है। संस्कृत शिक्षा के छात्रों के लिए छात्रावास और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली सरकारों के समय प्रदेश की बेसिक और माध्यमिक शिक्षा जर्जर स्थिति में थी, नकल प्रचलित थी।

साइबर क्राइम टीम, साइबर थाना और PGI पुलिस की संयुक्त कार्यवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। DCP क्राइम कमलेश दीक्षित और ADCP क्राइम वसंत कुमार की प्रेस कॉन्फ्रेंस PGI थाना क्षेत्र के अपार्टमेंट के पेंटहाउस से गिरफ़्तारी हुई अंतरराष्ट्रीय गिरोह श्रीलंका,सिंगापोर और दुबई और फिर लखनऊ से संचालित हो रहा था ये गिरोह अन्ना रेडी गेमिंग ऍप के माध्यम से जालसज़ी करते था गिरोह कुछ हिस्सा अंतरराष्ट्रीय गिरोह को हिस्सा जाता था विशाल यादव उर्फ़ प्रिंस यादव सागराना समेत 15 लोग गिरफ्तार पूरे देश से कंप्लेंट थी इनकी साउथ इंडिया के लोग इनके सॉफ्ट टारगेट पर थे 12 लोग बिहार व अन्य अलग-अलग राज्यों से है जालसाज़ करोड़ों की ठगी की गयी है इस गिरोह द्वारा 1 महीने से लखनऊ मे कर रहें थे काम अन्ना रेडी एप्लीकेशन से एप चलाते थे 2 फ्लोर मे 6 कमरों मे चलता था रैकेट जालसज़ों की ट्रेवल हिस्ट्री खंगाली थी जिसमे श्रीलंका,सिंगापूर और दुबई की बात सामने आयी है 200 से ज़्यादा कंप्लेंट है इस गिरोह के खिलाफ MNC के नाम पर लोगो को जॉब देने का नाम खोल रखा था कार्यालय गन्नी और प्रिंस चलाते थे गैंग मास्टरमाइंड दुबई मे है जो अब तक गिरफ्तार नहीं हुए है घर से बाहर नहीं निकलते है जालसज़ी करने वाले लोग लखनऊ के रहने वाले नहीं है पकड़े गए जालसाज़ लखनऊ मे बढ़ रहा है साइबर अपराध

कमलेश दीक्षित DCP क्राइम लखनऊ

अहमदाबाद विमान हादसे पर मायावती ने जताया शोक, कहा— अत्यंत दु:खद और पीड़ादायी घटना

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। गुरुवार को एक्स (पूर्व ट्विटर) के माध्यम से प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इस दुर्घटना को अत्यंत दुःखद और अति पीड़ादायी बताया। मायावती ने अपने संदेश में लिखा, 'अहमदाबाद विमान हादसे में काफी लोगों की मौत की घटना अत्यन्त दुःखद एवं अति पीड़ादायी है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कुदरत उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।' गौरतलब है कि अहमदाबाद में गुरुवार को एक विमान हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

11 वर्षों से फरार चल रहे लूट की घटना के इनमिया आरोपित को पुलिस ने किया गिराफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईंगंज पुलिस ने लूट की घटना के आरोप में 11 वर्षों से लगातार फरार चल रहे वांछित इनामिया अभियुक्त को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक बीते 20 जून.2014 को सत्येन्द्र वर्मा निवासी ग्राम बल्दीखेड़ा मजरा रतियामऊ थाना गोसाईगंज जनपद लखनऊ द्वारा गोसाईंगंज थाने पर अपने साथ हुई यूनियन बैंक आफ इंडिया शाखा अमेठी गोसाईगंज में लूट की घटना के संबंध में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। उक्त मुकदमे में अभियुक्तगण 1. तेजनरायण उर्फ ननदुरी निवासी परेवा थाना लोनी कटरा जनपद बाराबंकी 2. रामविलास निवासी तेजवापुर थाना लोनी कटरा जनपद बाराबंकी को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था किन्तु तीसरे आरोपित विनोद कुमार मिश्रा निवासी नेवादा मजरा नरेन्द्रपुर पट्टी थाना सरपतहा जनपद जौनपुर अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिये घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था। आरोपित विनोद कुमार मिश्रा के विरुद्ध मा० न्यायालय से गैर जमानतीय वारण्ट (एनबीडब्ल्यू) प्राप्त कर गिरफ्तारी का काफी प्रयास किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध मा० न्यायालय के आदेश के क्रम में धारा 82 द०प्र०सं० (उद्घोषणा) एवं धारा 83 द०प्र०सं० (कुर्की) की कार्यवाही भी की गयी, किन्तु आरोपित विनोद कुमार मिश्रा लगातार फरार चलता रहा था। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा 25 हजार रुपये के पुरष्कार की घोषणा भी की गयी थी। आरोपित अपने वर्णित पते पर पिछले 11 वर्षों से नहीं रह रहा था, हाल में ही आरोपित के जनपद लखनऊ में तेलीबाग क्षेत्र में रहने की सूचना थाना पुलिस को प्राप्त हुई। जिसके उपरान्त थाना स्थानीय की पुलिस द्वारा आरोपित की लगातार तलाश की जा रही थी जिसे गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे थाना क्षेत्र पीजीआई से गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए .के . शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल पर विस्तार से किया प्रकाश, अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर जताया शोक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को अपने गृह जनपद मऊ में आयोजित "प्रोफेशनल मीट" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए उल्लेखनीय विकास कार्यों का उल्लेख किया और प्रदर्शनी का उद्घाटन कर उसका अवलोकन किया।श्री शर्मा ने शाम को नगर पालिका परिषद मऊ के काझाखुर्द वार्ड नंबर 04 में करीब 9 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले सीवरेज और जल निकासी नाले का शिलान्यास भी किया और वहां के नागरिकों से संवाद कर क्षेत्रीय समस्याओं को जाना।अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद भारत का चेहरा पूरी दुनिया में बदला है। पहले भारत अभाव वाला था, पर अब प्रभाव वाला बन चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में हुए बेमिसाल विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी', सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन, सबसे बड़ा रेलवे ब्रिज, यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, सौर ऊर्जा प्लांट जैसे कई विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट पूरे किए गए हैं। इसके साथ ही 67.50 करोड़ श्रद्धालुओं के साथ महाकुंभ का आयोजन भी विश्व की सबसे बड़ी संख्या में हुआ।श्री शर्मा ने बताया कि रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, टैंक, पोत, विमान व आधुनिक हथियार बनाकर भारत आत्मनिर्भर बना है। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन महाकालेश्वर कॉरिडोर जैसे सांस्कृतिक और धार्मिक प्रोजेक्ट देश की विरासत को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त शासन, पारदर्शिता और कार्यकुशलता को प्रधानमंत्री मोदी की विशेषता बताया।उन्होंने पाकिस्तान की धमकियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उसे करारा जवाब दिया है। उन्होंने गरीबों को मुफ्त राशन, 5 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड, 4 करोड़ पीएम आवास देने जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया।मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जिनमें प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, मुद्रा योजना, सुकन्या योजना, महिला आरक्षण, किसान क्रेडिट कार्ड में वृद्धि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्रमुख हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कौशल विकास योजना, मंगलयान, चंद्रयान-3 जैसे अंतरिक्ष कार्यक्रम भी सफल रहे।उन्होंने बताया कि मोदी सरकार की नीतियों से भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में बड़ी छलांग लगाई है। 4000 से अधिक अनुपयोगी कानून हटाए गए और देश को स्वच्छता, मेक इन इंडिया, स्वामित्व योजनाओं से लाभ मिला। कार्यक्रम के अंत में श्री शर्मा ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना में पूर्व मुख्यमंत्री विजयभाई रुपाणी सहित अन्य यात्रियों की आकस्मिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।कार्यक्रम में विधायक केतकी सिंह, जनपद प्रभारी रमेश सिंह, जिलाध्यक्ष रामाश्रय मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, क्षेत्रीय मंत्री सुनील गुप्ता, पूर्व विधायक उमेश पांडेय, वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षक एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लखनऊ से नोएडा स्थानांतरित हुआ डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक का मुख्यालय, यूपी में तेजी से विस्तार की तैयारी

लखनऊ। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल तकनीक के माध्यम से बेहतर सेवा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौते के तहत संचालित डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना का मुख्यालय अब नोएडा स्थानांतरित कर दिया गया है। इस निर्णय की जानकारी कंपनी के सीईओ संजय कुमार ने दी।उन्होंने बताया कि नोएडा की उन्नत आधारभूत सुविधाएं, बेहतर कनेक्टिविटी और विशेषज्ञ मानव संसाधन की उपलब्धता कंपनी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार में सहायक होगी। यह कदम कंपनी के आगामी विकासात्मक लक्ष्यों को गति देने और रणनीतिक सहयोग को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।संजय कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगभग दो दर्जन से अधिक डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक खोलने की पूरी तैयारी हो चुकी है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना से शोक में डूबे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

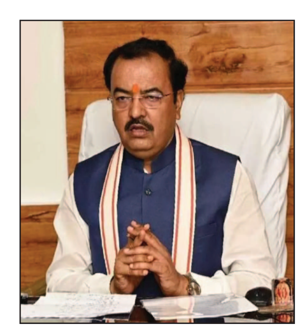

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को अयोध्या जनपद के विकासखंड रुदौली के ग्राम भौली में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी नेता कल्याण सिंह 'बाबू जी' की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ने गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना पर गहरा शोक प्रकट किया और कहा कि यह हादसा केवल एक समाचार नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय त्रासदी है। उन्होंने संवेदना स्वरूप अपने सम्मान में प्रस्तावित स्थानीय कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया।डिप्टी सीएम ने प्रतिमा अनावरण के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बाबू जी का जीवन राष्ट्रवाद, सुशासन और हिन्दुत्व के लिए समर्पित रहा। उन्होंने बताया कि विमान हादसे की खबर मिलते ही कार्यक्रम स्थगित करने का विचार बना, परंतु रुदौली की जनता का बाबू जी के प्रति स्नेह और सम्मान देखकर वे भारी मन से कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विधायक रुदौली से आग्रह किया कि कुछ दिन बाद पुनः एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाए।जनसभा से पूर्व केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षों पर आधारित विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अपने संबोधन में उन्होंने डबल इंजन की सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीबों को मुफ्त राशन, 5 लाख तक का आयुष्मान इलाज, उज्जवला योजना जैसी सुविधाएं सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रही हैं।कार्यक्रम का समापन विधायक रुदौली रामचंद्र यादव के संबोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर बाबू जी के पुत्र व पूर्व सांसद राजवीर सिंह ने भी कल्याण सिंह के राजनीतिक जीवन और राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक चन्द्रभानु पासवान, संजीव सिंह, विनय कटियार, इन्द्र प्रताप 'खब्बू' तिवारी, माँ कामाख्या नगर पंचायत अध्यक्ष शीतला प्रसाद शुक्ल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और झूठे आंकड़ों की सरकार है भाजपा : अखिलेश यादव

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार सिर्फ झूठ बोलने, आंकड़ों से छेड़छाड़ करने और जनता को गुमराह करने में माहिर है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था की बदहाली ने आमजन का जीना मुहाल कर दिया है।गुरुवार को गोमती नगर के विभूतिखंड स्थित होटल बजट इन के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में कोई वर्ग सुरक्षित नहीं है। रोजगार के नाम पर युवाओं को धोखा दिया गया है। परीक्षाएं समय पर नहीं होतीं और जब होती हैं तो पेपर लीक हो जाता है। युवाओं के भविष्य के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कारोबार रोजगार देता है, समाज को जोड़ता है, लेकिन भाजपा नफरत फैलाने का काम करती है। किसान बाजार, जो समाजवादी सरकार ने शुरू किए थे, उन्हें भी बंद कर दिया गया। भाजपा को किसानों की कोई चिंता नहीं है।बिजली व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले आठ वर्षों में एक भी नई बिजली उत्पादन इकाई नहीं बनाई। अब बिजली का निजीकरण कर आरक्षण खत्म करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को आधा बिल देना चाहिए, क्योंकि सरकार ने उत्पादन तो बढ़ाया नहीं, सिर्फ बोझ डाला है।कुंभ मेले के हादसों पर सरकार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने मरने वालों की असली संख्या छिपाई और पीड़ित परिवारों को चुपचाप मुआवजा देकर मामले को दबा दिया।जातीय जनगणना की मांग दोहराते हुए उन्होंने कहा कि यह जरूरी है और इसे आधुनिक तकनीक के माध्यम से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। भाजपा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जो सरकार मौतों के आंकड़े छिपा सकती है, वह जनगणना में भी हेराफेरी कर सकती है।अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गोमती रिवरफ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा लगाई जाएगी और उनके हाथ में सोने की तलवार होगी।उन्होंने पश्चिम बंगाल में भगवान जगन्नाथ मंदिर निर्माण के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बधाई दी और कहा कि यह श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सुविधा है।कार्यक्रम के अंत में बिरहा गायक काशीनाथ यादव ने अखिलेश यादव को अपनी पुस्तक धरती के धरोहर अखिलेश भेंट की।

तपती धूप में टेट पास शिक्षामित्रों का संघर्ष, स्थाई नियुक्ति और गरिमा की मांग को लेकर लगातार 17वें दिन जारी रहा धरना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए टेट उत्तीर्ण शिक्षामित्रों का शांतिपूर्ण धरना राजधानी के ईको गार्डन में गुरुवार को 17वें दिन भी जारी रहा। कड़ी धूप और भीषण गर्मी के बावजूद आंदोलनरत शिक्षामित्र अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। शिक्षक/शिक्षामित्र उत्थान समिति उत्तर प्रदेश के बैनर तले यह धरना 27 मई से लगातार चल रहा है, जिसमें राज्य भर से हजारों टेट पास शिक्षामित्र अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इनका कहना है कि वे वर्षों से प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था में योगदान दे रहे हैं, लेकिन अब भी उन्हें न तो स्थाई शिक्षक का दर्जा मिला है और न ही न्यूनतम गरिमा के अनुसार सुविधाएं।प्रदेश अध्यक्ष गुड्डू सिंह के नेतृत्व में शिक्षामित्रों ने सरकार से एक बार फिर अपील की है कि उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश समेत अन्य राज्यों की भांति उत्तर प्रदेश में भी एनसीटीई के मानकों को पूरा करने वाले लगभग 50 हजार टेट/सीटेट पास शिक्षामित्रों को स्थाई नियुक्ति प्रदान की जाए। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि उनका यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लेती और ठोस निर्णय नहीं लेती।शिक्षामित्रों ने कहा कि वे सभी एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त प्रशिक्षित शिक्षक हैं, जिन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा भी उत्तीर्ण कर रखी है। ऐसे में उन्हें समानता और न्याय के आधार पर पूर्णकालिक शिक्षकों के रूप में स्थायीत्व दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही उनका यह भी कहना है कि जो शिक्षामित्र टेट पास नहीं हैं, विभाग उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराए और उन्हें भी स्थाई किया जाए।प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की है कि जब तक उन्हें स्थायी नियुक्ति नहीं मिल जाती, तब तक उन्हें 12 माह का समुचित मानदेय दिया जाए ताकि वर्तमान महंगाई के दौर में वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। साथ ही शिक्षक पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए उन्हें चिकित्सकीय अवकाश, 14 सीएल सहित अन्य अवकाशों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए।शिक्षामित्रों ने यह भी कहा कि शासन द्वारा महिला शिक्षामित्रों के अंतर्जनपदीय स्थानांतरण एवं समायोजन हेतु 14 अक्टूबर 2024 को जारी शासनादेश पर अब तक कोई अमल नहीं हुआ है। उन्होंने मांग की कि इस शासनादेश का क्रियान्वयन शीघ्र किया जाए और समायोजन प्रक्रिया के लिए समयबद्ध कार्यक्रम घोषित किया जाए।ईको गार्डन के धरना स्थल पर लगातार बढ़ रही शिक्षामित्रों की उपस्थिति सरकार के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि यह आंदोलन केवल रोजगार का नहीं बल्कि आत्मसम्मान, शिक्षा व्यवस्था में उनके योगदान की मान्यता और भविष्य की सुरक्षा का भी सवाल है। शिक्षामित्रों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं एक संत हैं और हमेशा न्याय की बात करते हैं, इसलिए वे इस संघर्ष को समझें और शिक्षामित्रों की पीड़ा का समाधान करें।विगत 25 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे इन शिक्षामित्रों ने कहा कि यह आंदोलन केवल वेतन या पद के लिए नहीं है, बल्कि यह उनकी पहचान और अस्तित्व की लड़ाई है। जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रहेगा।

गलतियों से सबक लेकर आगे बढ़ रही है भाजपा, पार्टी के शीर्ष नेताओं की साफगोई कमाल की रही

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं और इस समय भाजपा की ओर से मोदी सरकार की उपलब्धियों का जोरशोर से प्रचार देशभर में किया जा रहा है। इस क्रम में प्रेस कांफ्रेंसों के अलावा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भाजपा के नेता पहुँच कर मोदी सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों की चर्चा कर रहे हैं। ऐसा ही एक कार्यक्रम भाजपा की ओर से दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया जिसमें डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधियों को देशभर से बुलाया गया और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनके साथ खुलकर संवाद किया। यह वाकई ऐसा कार्यक्रम था जिसमें पार्टी के शीर्ष नेता बेझिझक सारे सवालों के जवाब दे रहे थे। देखा जाये तो आज के इस युग में डिजिटल और सोशल मीडिय ही सबसे बड़ी ताकत बन चुका है इसलिए इस मंच के महारथियों के साथ भाजपा के शीर्ष नेताओं का सीधा जुड़ाव एक अभिनव पहल भी थी।

कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय और पार्टी के सारे राष्ट्रीय प्रवक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान एक पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिये अश्विनी वैष्णव ने उन बड़ी पहलों का जिक्र किया जिससे देश में व्यापक रूप से बदलाव आया और विकसित भारत का आधार तैयार हुआ। अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष की ओर से अक्सर उठने वाले सवालों के जवाब भी अपनी प्रेजेंटेशन के जरिये दिये जिससे कई चीजें स्पष्ट हुईं और भ्रम का वातावरण छँटा। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने डिजिटल मीडिया प्रतिनिधियों से सीधे संवाद में स्वीकार किया कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी अति-आत्मविश्वास का शिकार हो गयी थी। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने यह बात मानी कि हमने इस बात पर ठीक से ध्यान नहीं दिया कि 'अबकी बार 400 पार' के नारे का विपरीत असर हो रहा है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने यह भी माना कि आरक्षण के विरोध में जो बात निचले स्तर तक कांग्रेस और उसके एनजीओस ने पहुँचा दी थी उसे भांपने में हमसे देरी हुई और जब तक हमने कदम उठाये तब तक काफी देर हो चुकी थी। पार्टी नेताओं ने यह भी माना कि कई जगह उम्मीदवारों के चयन में खामियां थीं। पार्टी नेताओं ने कहा कि दरअसल लगातार जीत मिलने पर इस तरह का अति-आत्मविश्वास ऊपर से लेकर नीचे तक आ जाता है जिसका दुष्परिणाम देखने को मिला। पार्टी के नेताओं ने माना कि अक्सर भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गलतबयानी से पार्टी के लिए शर्मिंदगी हो जाती है, खासकर चुनावों के समय दिये गये विवादित बयानों से ज्यादा असहज स्थिति उत्पन्न हो जाती है। पार्टी नेताओं ने कहा कि अब वह उम्मीदवार चयन के लिए पैमानों को और कड़ा बना रहे हैं।

पार्टी नेताओं ने यह भी कहा कि मोदी सरकार की उपलब्धियां बेशुमार हैं और विपक्ष अब तक हमारी एक भी उपलब्धि को नकार नहीं पाया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि विपक्ष सिर्फ विदेशी मामले जाकर देशी राजनीति में हंगामा करना चाहता है लेकिन जनता इसको स्वीकार नहीं करती। पार्टी नेताओं ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है और लोकसभा चुनावों के दौरान दिये गये एक विवादित बयान का मुद्दा सुलझ चुका है। भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे गये सवाल पर भी शीर्ष नेताओं ने कहा कि संघ और पार्टी के बीच कोई मतभेद नहीं है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाओं से इंकार करते हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि हाल-फिलहाल इसकी संभावना नहीं है। राहुल गांधी की ओर से संवैधानिक संस्थानों पर लगाये जाने वाले आरोपों पर पार्टी नेताओं ने कहा कि जनता उनके आरोपों पर नहीं बल्कि हमारे संस्थानों पर विश्वास करती है। पार्टी नेताओं ने कहा कि जनता के बीच होने वाले तमाम सर्वेक्षण इस बात को दर्शाते हैं कि राहुल गांधी के मुकाबले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता आज भी शीर्ष पर बनी हुई है। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के शीर्ष नेताओं ने यह स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार ही एनडीए का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का वोट उनके साथ दृढ़ता से खड़ा हुआ है। पार्टी नेताओं ने कहा कि लेकिन बिहार में टक्कर बराबर की लग रही है। हमें यह देखना है कि हम आगे कैसे निकलेंगे। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने सवालों के जवाब में इस बात का विश्वास जताया कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी क्योंकि मोदी-नीतीश की जोड़ी का कोई तोड़ नहीं है। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने यह भी स्वीकारा कि बंगाल में उनके पास प्रभावी नेतृत्व नहीं है और पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा से वहां कई गलतियां हुईं।

आतंकवाद और पाकिस्तान- चीन से दो टूक बात करने का समय आ गया

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था।

संतोष कुमार पाठक

भारत और चीन के रिश्तों के लिहाज से यह सप्ताह बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की बहादुर सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बात करना जरूरी है। भारत के सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल 59 नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने 33 देशों की यात्रा से वापस लौटने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है।

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, "हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।"

जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है।

भारत अमेरिकी संबंधों में मचे घमासान के बीच अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने सीमाओं की सुरक्षा और पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल स्थापित करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब पड़ोसी चीन से दो टूक भाषा में बात करने का समय आ गया है। चीन पाकिस्तान को हर तरह की ना केवल मदद मुहैया करा रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य देश होने के नाते आतंकवादी संगठनों, आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए ढाल का काम भी कर रहा है। चीन पाकिस्तान के बाद श्रीलंका, म्यामांर , बांग्लादेश और नेपाल के सहारे भी भारत की घेरेबंदी कर रहा है। आखिर भारत इसे कब तक बर्दाश्त कर सकता है ?

बताया जा रहा है कि, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग इस सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के बीच यह दूसरी उच्चस्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी जनवरी में चीन की यात्रा पर गए थे। वहां सुन और मिसरी ने आपसी रिश्तों को सामान्य करने के लिए कई मुद्दों पर सहमति जताई थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसके बाद से अब माहौल काफी बदल गया है।

भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते-पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश की आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है, यह एक कड़वी सच्चाई है लेकिन दुनिया के दो प्रभावशाली और बड़े देश होने के नाते इसे सुलझाने के कई तरीके हो सकते हैं। बातचीत से अगर ये मामले सुलझ जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता लेकिन क्या चीन की सेना इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उसे भी भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान जैसे नाकाम देश और आतंकवादियों का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है ?

वक्त आ गया है कि भारत को अब दो टूक शब्दों में चीन से इन सवालों का जवाब मांगना ही चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ही यह कह चुके हैं कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की यह नीति सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं अपनानी चाहिए बल्कि हर उस देश के साथ अपनानी चाहिए जो किसी भी सूरत में आतंकवादियों का बचाव करता है। भारत को यह कठोर संदेश भारत यात्रा पर आने वाले चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक भेजना ही चाहिए।

अजब-गजब

पिता ने बेटे के ऊपर खर्च कर दिए 6 करोड़, फिर भी खुश नहीं है वो, जानिए क्यों?

एक पिता अपने बेटे को खुश करने के लिए अपनी दौलत हमेशा लुटाने को तैयार रहता है, लेकिन जापान से इन दिनों एक ऐसा किस्सा सामने आया है, जहां एक पिता ने अपने बेटे को खुश करने के लिए लगभग 6 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। इसके बाद बेटे ने जो बात कही उसे जानकर आप भी यही कहेंगे कि पेरेंट्स चाहे अपने बच्चों के लिए कितना भी कुछ क्यों ना कर दे, लेकिन बच्चों को हर बार चीजें कम ही लगती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान में एक पिता ने अपने बेटे के बचपन की तस्वीरों वाले विज्ञापन कैंपेन को चलाया, जिससे वो दिखा सके कि ईश्वर ने उन्हें कितना प्यारा बेटा दिया है और उनका बेटा भी उनसे खुश हो जाए। इस पूरे कैंपेन के लिए पिता ने 700,000 डॉलर यानी 5 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर दिए। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (SCMP) की रिपोर्ट के अनुसार , इस पिता ने इतने पैसे खर्च करके शहर भर में अपने बेटे की बचपन की तस्वीरों वाले कई विज्ञापन दिए हैं चाहे वो फुटब्रिज बैनर हों या सिटी बस या पार्किंग साइन।

यू-कुन नाम का लड़का जिसे वहां के लोग "द लैंडमार्क किड", जिनके पिता को ये लगता था कि उनका बेटा काफी प्यारा है और ये बात पूरे शहर को पता होनी चाहिए। विज्ञापन अभियान में यू-कुन की पूरी तस्वीरें दिखाई गई हैं, जिसमें वह अजीबोगरीब चेहरे बना रहा है। इस बात की खबर जब बच्चे को लगी तो उसे इस बात की जरा सी भी खुशी नहीं हुई...उल्टा उसने अपने पिता को सुनाते हुए कहा कि मैं इतना प्यारा हूं, तो जो पैसे आपने वहां खर्च किए वो मेरे अकाउंट में ट्रांसफर कर देते हैं। लोग अब शायद उस तस्वीर से मुझे नहीं पहचान पाएंगे क्योंकि मैं अब बड़ा हो चुका हूं।

ये कहानी इंटरनेट की दुनिया में आते ही वायरल हो गई और हर कोई इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया देने लगा। एक यूजर ने लिखा कि ये पिता के प्यार दिखाने का एक तरीका था। वहीं दूसरे ने लिखा कि यहां बेटा बात तो एकदम सही कह रहा है...लगानी थी तो अब की फोटो को लगाते। एक अन्य ने लिखा कि सच में एक पिता अपने बेटे के प्यार में कितना अंधा हो सकता है, ये अब देखने को मिल रहा है।

ब्लॉग

सोशल मीडिया बच्चों को हिंसक एवं बीमार बना रहा है

ललित गर्ग

सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से बच्चों का बचपन न केवल प्रभावित हो रहा है, बल्कि बीमार, हिंसक एवं आपराधिक भी हो रहा है। यह चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। यह बच्चों को समय के प्रति, परिवार एव सामाजिक कौशल के प्रति और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया ने बच्चों से बाल-सुलभ क्रीड़ाएं ही नहीं छीनी बल्कि दादी-नानी की कहानियों से भी वंचित कर दिया है। कुछ विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चे अनैतिक, उग्र, जिद्दी एवं आक्रामक भी हो रहे हैं, जो उन्हें चिंता और अवसाद में धकेल रहे हैं। बच्चें सोशल मीडिया पर वक्त ज्यादा गुजार रहे हैं, ऑनलाइन गेम्स ने बच्चों की दुनिया ही बदल दी है। अब ये आवाज उठने लगी है कि क्यों न बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर देना चाहिए? टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में ऐसे ही चिन्ताजक तथ्य सामने आये हैं कि बड़ी संख्या में युवा माता-पिता कहानियों की बजाय डिजिटल मनोरंजन को प्राथमिकता दे रहे हैं। पंचतंत्र से लेकर स्नो व्हाइट पिनोकियो जैसी कहानियां अब शेल्फ पर धूल फांक रही हैं। नये बन रहे समाज एवं परिवार में सोशल मीडिया जहर घोल रहा है।

स्मार्टफोन बड़ों ही नहीं, बच्चों के हाथ में आ गया है। जवान और बूढ़े ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे तक इसके आदी होते जा रहे हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, गेम्स सब कुछ स्मार्टफोन पर होने की वजह से बच्चों और युवाओं में इसकी आदत अब धीरे-धीरे लत में तब्दील होती जा रही है। सोने के समय बच्चों को कहानियां सुनाना या उनके लिए लोरियां गाना कभी पारिवारिक संस्कृति का अहम हिस्सा हुआ करता था। दादी-नानी हों या माता-पिता की सुनाई गई परीकथाएं बच्चों के लिए नींद से पहले की सबसे प्यारी यादें होती थीं। लेकिन अब सोशल मीडिया के आने से इसके बिना बचपन सूना हो रहा है। बच्चे किताबों और खेलकूद के मैदानों से दूर हो रहे हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी उनकी आंखों के साथ दिमागी सेहत पर भी बुरा असर डाल रही है। इसके अलावा शारीरिक श्रम एवं रचनात्मकता भी कम हो गई है। यह केवल पश्चिमी देशों की ही नहीं, भारत की भी सच्चाई बन चुकी है। जेन जेड यानी 1996 से 2010 के बीच जन्मे युवा माता-पिता अब इस प्यारी परंपरा से मुंह मोड़ रहे हैं। हालिया शोधों से पता चला है कि अब कहानियां पढ़ना-सुनाना जेन जेड माता-पिता के लिए जिम्मेदारी एवं मनोरंजन नहीं बल्कि एक थकाऊ काम बन गया है। मोबाइल अब केवल बच्चों के लिए ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े भी इसकी चपेट में हैं। यह सिर्फ फोन या मैसेज करने तक ही सीमित नहीं रहा है। ना जाने कितने ही तरह के ऐप्स, व्हाट्सएप, फेसबुक जैसी सोशल मीडिया एप, और गेम्स बड़ो एवं बच्चों को दिन भर व्यस्त रखते हैं। लेकिन अगर मोबाइल के बिना आपको बेचैनी होती है तो समझ जाइये कि आप भी इस एडिक्शन के शिकार होते जा रहे हैं जो आपके लिए चिन्ता की बात है।

टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में खासकर महानगरों और शहरी इलाकों में सोशल मीडिया का बच्चों में प्रचलन अधिक बढ़ रहा है। पढ़ने को मनोरंजन एवं ज्ञान का हिस्सा मानने की बजाय 'गंभीर पढ़ाई' से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक नई पीढ़ी के अभिभावकों को लगता है कि बच्चों को कहानी सुनाना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है। शहरीकरण एवं पारिवारिक संरचना में बदलते स्वरूप से पिछले दस सालों में बड़े बदलाव हुए हैं, संयुक्त परिवार की जगह अब एकल परिवार हैं, जहां दादी-नानी जैसे कहानी सुनाने वाले सदस्य मौजूद नहीं है। समय की कमी, कामकाजी जीवन की व्यस्तता और थकान के कारण माता-पिता के पास बच्चों को कहानी सुनाने का समय नहीं बचता। नई पीढ़ी के माता-पिता खुद ही पढ़ने की आदत से दूर हो चुके हैं, जिससे बच्चों को प्रेरणा नहीं मिलती। स्कूल का होमवर्क भी इसमें बड़ी बाधा है। रिपोर्ट के आंकडों के अनुसार 41 प्रतिशत माता-पिता ही रोज अपने चार साल तक के बच्चों को कहानी सुनाते हैं। जबकि 2012 में यह आंकड़ा 64 प्रतिशत था। 28 प्रतिशत जेन जेड माता-पिता पढ़ने को एक मजेदार गतिविधि नहीं मानते। बच्चों की सोशल मीडिया चैनल्स पर उपस्थिति उन्हें वास्तविक जीवन से दूर करके वर्चुअल दुनिया में ले जा रही है। जहां दिखावटीपन एवं नकारात्मकता की भरमार है। इससे बच्चों का बचपन तो छिन ही रहा है, उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास भी अवरुद्ध हो रहा है। सोशल मीडिया यानी यूट्यूब-इंस्टा, अन्य सोशल साइट की लत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर रही है और उनकी एकाग्रता, याददाश्त और ध्यान की क्षमता को कम करके उन्हें अपंग, बीमार एवं हिंसक बना रही है। बच्चे अपने प्रश्नों का हल या समस्या का निवारण किताबों में ढूँढकर पढ़ने के बजाय केवल मोबाइल पर ढूँढने के आदी होते जा रहे हैं जो उचित नहीं है। मोबाइल और साइबर एडिक्शन अब एक गम्भीर समस्या बनती जा रही है जो बच्चों की दिनचर्या पर बुरा असर डाल रही है। इससे मानसिक विचलन और चिड़चिड़ापन बढ़ता जा रहा है कि हम छोटी छोटी बातों पर घर-परिवार के सदस्यों पर गुस्सा करने लग गये हैं।

मोबाइल आपके बच्चे से उसका बचपन ही नहीं छीन रहा है बल्कि उसे हिंसक भी बना रहा है। हरियाणा में 9 साल के एक बच्चे को इसकी इतनी बुरी लत थी कि उसने स्मार्टफोन छीने जाने की वजह से अपना हाथ काटने की कोशिश की। मोबाइल की लत का ये इकलौता मामला नहीं है। 12 साल का अविनाश मोबाइल के बिना एक पल नहीं रह सकता। उससे अगर मोबाइल छीन लिया जाये तो वो गुस्से में आ जाता है। ऐसी ही लत है भोपाल यूनिवर्सिटी की प्रिया को। उसे व्हाट्सऐप की ऐसी लत लगी कि वह पूरी रात जगी रह जाती है। अब वह इस लत से छुटकारा पाने के लिए मानसिक अस्पताल में काउन्सलिंग ले रही है। मोबाइल की लत से बच्चे आपराधिक भी होते जा रहे हैं और गलत कदम तक उठा रहे हैं। अभी हाल ही में ग्रेटर नोएडा में एक 16 वर्षीय लड़के ने अपनी माँ और बहन की हत्या कर दी क्योंकि बहन ने शिकायत कर दी थी कि भाई दिन भर मोबाइल फोन पर खतरनाक गेम खेलता रहता है और इसलिए माँ ने बेटे की पिटाई की, उसे डाँटा और उसका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल पर मारधाड़ वाले गेम खेलते रहने के आदी लड़के का गुस्सा इसी से बढ़ गया। इसी तरह कुछ महीनों पहले कोटा में एक 16 वर्षीय किशोर ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की जाँच पड़ताल में पता चला कि बच्चे को पबजी गेम खेलने की लत थी और दिनभर मोबाइल में गेम खेलता रहता था। जब घरवालों ने मोबाइल छीन लिया और देने से मना कर दिया तो यह गलत कदम उठा लिया।

देश में बड़े अस्पतालों में मोबाइल की लत के शिकार लोगों के इलाज के लिए खास क्लीनिक हैं। और यहाँ आने वाले मरीजों की संख्या जिनमें बच्चें बहुतायत में हैं, अब दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। मोबाइल और एप बनाने वाली कम्पनियाँ अपने मुनाफे के लिए कितनी अमानवीय हो गयी हैं कि यह सब जानते हुए भी लोगों को मानसिक रोग के गड्ढे में धकेल रही हैं। वे नये-नये गेम बनाकर मुनाफा बटोर रही हैं। परिवार एवं समाज में जागरूकता अभियान के साथ सरकार को इस उभर रहे बड़े संकट पर ध्यान देना होगा। बच्चों को खेल, कला, संगीत और अन्य गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जानकारी दें और उन्हें साइबर अपराधों से बचने के तरीके सिखाएं। बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने के बारे में सही जानकारी देना और उन्हें इसके नकारात्मक प्रभावों से बचाना जरूरी है।

अयोध्या नगरी को मदिरामयी बना दिया... योगी सरकार पर क्यों हमलावर हुई कांग्रेस?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस नेता अजय राय ने प्रेस कांफ्रेंस कर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार जनता को बेवकूफ बना रही है। उन्होंने महाकुंभ मेले में भगदड़ में मारे गए लोगों के बारे में और अयोध्या में शराब की दुकानों को लेकर यूपी सरकार घेर लिया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार जनता को सच ही नहीं बताना चाहती। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में हुई मौतों को लेकर सरकार आंकड़े छुपा रही है। इसके आगे उन्होंने कहा सरकार ने राम की नगरी अयोध्या को मदिरामय बना दिया है। उन्होंने कहा कि गेरवा रंग पहनकर ये देश की जनता से झूठ बोल रही है।

राम नगरी बनी मदिरामय

राय ने सरकार को घेरते हुए कहा कि अयोध्या भगवान राम की नगरी है और श्रीराम के नाम पर जाम बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में नगर निगम कार्यसमिति ने 1 मई 2025 को 13 किमी के रास्ते पर पहले शराब को प्रतिबंधित कर दिया था। लेकिन एक रिपोर्ट में साफ दिख रहा है कि अब वहां शराब की कई दुकानें खोल दी गयी है। इसके आगे उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले दिखावा करने के लिए शराब की दुकानों पर प्रतिबंध लगाया और अब वही सरकार शराब से पैसे कमा रही है। पूरी अयोध्या नगरी को मदिरामयी बना दिया है। ये सबके माथे पर कलंक है।

महाकुंभ में हुई मौतों को छुपा रही सरकार

राय ने कहा कि महाकुंभ भगदड़ में मौनी अमावस्या को कितनी मौतें हुई, इसको लेकर सरकार चुप है। उन्होंने कहा सरकार ने जितनी मौते बताई है, उससे कई गुना ज्यादा मौते हुई हैं। प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने महाकुंभ भगदड़ की बीबीसी पड़ताल का वीडियो दिखाते हुए कहा कि कुंभ में मारे गये लोगों के आंकड़ों पर नयी रिपोर्ट आयी है। सरकार ने मौत के अभी तक कोई आँकड़े नहीं जारी किये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से जो भी बताया गया वो भी झूठ बताया गया और जनता से सच छुपाया गया है। उन्होंने कहा कि अब समाचार चैनलों के माध्यम से जानकारी आ रही है कि 82 लोगों की मौत हुई है।

मुआवजे को लेकर सरकार को घेरा

कांग्रेस नेता ने कहा कि महाकुंभ भगदड़ में मारे गए लोगों में सरकार ने 36 लोगों को 25-25 लाख रुपए दिए, 26 लोगों को 5-5 लाख रुपए दिए। उन्होंने कहा कि मुआवजा का पैसा मृतक के परिजनों को DM और तहसील के लोग देते हैं, लेकिन सरकार ने पैसे पुलिस से दिलवाए, जो कि अपने आप में बड़ा सवाल है। इसके आगे उन्होंने कहा कि बाकी के 19 परिवारों को सरकार की तरफ से कोई आर्थिक मदद नहीं दी गई क्योंकि उनके शवों को लावारिस घोषित कर जला दिया गया था।

RSS के पूर्व विचारक के मृत भाई को बताया लावारिस

राय ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात यह है कि सरकार आरएसएस के पूर्व विचारक के छोटे भाई की मौत को लावारिस सूची में डाल दिया। RSS के पूर्व विचारक केएन गोविंदाचार्य के छोटे भाई केएन वासुदेवाचार्य का के शव का वाराणसी में लावारिस तरीके अंतिम संस्कार कराया। इसके आगे उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले मीडिया रिपोर्ट में सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि सरकार जनता से कितना झूठ बोल रही है।

बुधवार रात बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर व गुरुवार दोपहर अनियंत्रित बाइक टकराई

आर्यावर्त संवाददाता

धौरहरा-खीरी। बुधवार देर रात थाना क्षेत्र ईसानगर के जेठरा गांव निवासी पति पत्नी व बेटी के साथ रिस्तेदारी धौरहरा के ग्राम तुलसी राम पुरवा जा रहे बाइक सवार को बेलगाम ढखेरवा की तरफ से आ रही अनियंत्रित बोलोरो के टक्कर मारने से सभी लोगों के पैर टूट गये।

दूसरी घटना गुरुवार दोपहर लगभग दो बजे के आसपास थाना क्षेत्र निघासन के एक गांव से रिस्तेदारी से वापस लौट रहे ईसानगर के गोतेबाज पुरवा निवासी आजाद 40 पुत्र मोहर्रम,समीम 35 पुत्र मोहर्रम,श्री राज 5 पुत्र आजाद अपनी बाइक से घर जाते वक्त आंधी के गुब्बार से अनियंत्रित बाइक धौरहरा बाइपास के पास लगे बिजली पोल से भिड़ने से सभी के पैर व हाथ टूटने की घटना घटी।घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा लगभग एक घंटे तक मौके पर नहीं पहुंची। बुधवार देर रात ईसानगर थाना क्षेत्र के ग्राम जेठरा निवासी सरोज कुमार 45, पत्नी सरिता देवी 40, पुत्री शिवानी 10 के साथ बाइक पर सवार होकर अपनी रिस्तेदारी ग्राम तुलसीराम पुरवा जाते वक्त ढखेरवा चौराहे की तरफ से आ रही अनियंत्रित बोलोरो की टक्कर से सभी लोगों के पैर टूट गये। गुरुवार दोपहर सिसैया ढखेरवा हाइवे के लालजी पुरवा गांव के पास लगभग दो बजे के आसपास दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर से इतवारी 42 पुत्र प्यारेलाल व रत्नावली 35 पत्नी इतवारी निवासी मंगरौली व दानिश 35 पुत्र अतीउल्ला निवासी पठान वार्ड धौरहरा को गंभीर हालत में पहले सी एच सी धौरहरा व बाद में चिकित्सकों द्वारा सभी को जिला अस्पताल ओयल रेफर किया गया।

मां की तेरहवीं के लिए निकला था परिवार, नहीं थे किराए के पैसे... रात भर चौराहे बैठे रहे

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। गरीबी किस तरह से लोगों को बेबस कर सकती है। इसका एक जीता जगत मामला उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले से सामने आया है, जहां एक परिवार के अपनी मां की तेरहवीं के लिए बिहार जाना चाहता था। पैसे नहीं होने के कारण वह अपने घर नहीं पहुंच गया। परिवार ने पूरी तरह रात एक चौराहे बैठे-बैठे बिता दी। परिवार के पैसा होता तो वह अपनी मां के आखिर काज में शामिल हो पाते। हालांकि, की ऐसा नहीं हो पाया। बिहार के ऊंचाहार के रहने वाले बिंदेश्वरी प्रसाद कुरुक्षेत्र में मजदूरी करते हैं। उन्हें मां की मौत के बाद बुधवार सुबह मां के त्रयोदशी संस्कार में पहुंचना था। घर पहुंचने के लिए वह समय से अपने परिवार के साथ निकल गए थे। बिंदेश्वरी अपने परिवार के 7 अन्य सदस्यों के साथ मंगलवार देर रात करीब 12 बजे कुरुक्षेत्र से लखनऊ के रवाना हुए थे। इस प्राइवेट बस का किराया प्रति यात्री 800 रुपये था। बस अपनी रफ्तार से लखनऊ की तरफ जा रही थी कि इस बीच वह अलीगढ़ में बाइक सवारों से टाकरा गई। बस से टक्कर होते ही सभी बाइक सवार शख्स दूर जमीन पर गिर गए। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। बस को खाली कराके पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। साथ ही ड्राइवर और कंडक्टर को भी पकड़ लिया। बस से उतारे गए सभी अलग-अलग साधनों से अपने गंतव्य तक पहुंच गए।

रात भर सड़क पर गुजारी रात

इन्हीं में एक परिवार बिंदेश्वरी प्रसाद का भी था, जो रात भर अलीगढ़ के खेरेश्वर चौराहे पर बैठा रहा। सुबह जब उनसे पूरी रात वहीं रुकने और घर नहीं जाने का लोगों ने पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि उनके पास पैसे नहीं है। वह अपनी के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले थे। लेकिन अब वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं पाएंगे। यह बात सुनते ही कुछ लोगों की मौके पर आंखें भर आई। इसके बाद बस कंडक्टर और अन्य लोगों ने उनको किराये के रुपये देकर घर के लिए रवाना किया।

18 साल पहले की थी लव मैरिज, दोबारा बनाया नया बॉयफ्रेंड, फिर पति को दी ऐसी खौफनाक मौत, देवर ने भाभी को पहुंचाया जेल

आर्यावर्त संवाददाता

सिद्धार्थनगर। इन दिनों पूरे देश में राजा रघुवंशी मर्डर केस खूब सुर्खियों में है। राजा की पत्नी ने शादी के महज चंद दिन बाद ही बॉयफ्रेंड की खातिर पति को मरवा डाला। अब ऐसा ही एक और खौफनाक मामला उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर से भी सामने आया है। यहां रहने वाली एक महिला की 18 साल पहले लव मैरिज हुई थी। दो साल पहले उसका अपने से 8 साल छोटे युवक संग अफेयर चला। पति से भी बॉयफ्रेंड की दोस्ती करवाई। फिर जब पति को दोनों पर शक हुआ तो फिल्मी स्टाइल में पति को मार डाला। उसके बाद तीन दिन तक दोनों गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड मजे से घूमते फिरते रहे।

महिला पहले पति को मंदिर लेकर गई। वहां जहर मिला प्रसाद पति को खिलाया। जैसे ही पति बेहोश हुआ, उसने प्रेमी के संग मिलकर पति को राप्ती नदी के पुल से नीचे फेंक दिया। उसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाने पहुंच गई। जानकारी के मुताबित, महिला ने 18 साल पहले लव मैरिज की थी। फिर प्रेमी के लिए उसने पति की हत्या कर डाली। पुलिस ने 8 दिन बाद नदी किनारे मृतक का कंकाल बरामद किया।

भाई के आरोप पर पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्याकांड खुल गया। पुलिस ने महिला के बॉयफ्रेंड को भी अरेस्ट किया है। जानकारी के अनुसार, ढेबरुआ थाना क्षेत्र के रेहकट नजरगढ़वा गांव में 48 वर्षीय कन्नन रहते थे। उन्होंने ने 18 साल पहले 35 वर्षीय संगीता से लव मैरिज की थी। शादी के बाद सब कुछ अच्छे से चल रहा था। दोनों को 12 साल का बेटा भी हुआ। 2 साल पहले संगीता की मुलाकात बलरामपुर के रहने वाले अनिल शुक्ला उर्फ विवेक (27) से ट्रेन में हुई। दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। वह ललिया थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर धर्मपुर गांव का रहने वाला है।

25 फीट ऊंचे पुल से फेंक दिया पति को

संगीता ने अनिल की मुलाकात अपने पति कन्नन से भी करवाई। अनिल का उसके घर अक्सर आना जाना लगा रहता था। कन्नन को इसी बीच पत्नी और अनिल के रिश्ते की भनक लग गई। वह रोक-टोक करने लगा। संगीता हर बार सिर्फ दोस्ती की बात कहकर मामले को टाल देती थी। पति जब ज्यादा विरोध करने लगा तो संगीता ने प्रेमी संग मिलकर उसकी हत्या का प्लान बनाया। 2 जून को संगीता ने घूमने का प्लान बनाया। अनिल को भी बुला लिया। तीनों कार में सवार होकर श्रावस्ती में मौजूद विभूति नाथ मंदिर पहुंचे। वापस आते समय बीच रास्ते में प्रसाद में जहर मिलाकर कन्नन को खिला दिया। इसके बाद बलरामपुर जिले के कोड़ारी पुल पर कार रोकी। फिर पति कन्नन के शव को 25 फीट ऊंचे पुल से राप्ती नदी में फेंक दिया। फिर 2 जून को थाने जाकर पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

मृतक के भाई को हुआ था भाभी पर शक

कन्नन के भाई बाबूलाल को संगीता पर शक था। उसने फिर 9 जून को ढेबरुआ थाने में दोबारा कन्नन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने संगीता से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात स्वीकारी। फिर पुलिस ने बलरामपुर के कोड़ारी पुल से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर कन्नन का कंकाल बरामद किया। अब संगीता और उसका बॉयफ्रेंड अनिल, दोनों ही जेल में बंद हैं। मामले में आगामी कार्रवाई जारी है।

उत्तर भारत में आसमान से बरस रही 'आग', इन राज्यों में बारिश से मिलेगी राहत, जानें मौसम का हाल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर भारत में गर्मी का कहर देखा जा रहा है। दिल्ली समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। मॉनसून के आगे बढ़ने की रफ्तार में कमी आई है। देश के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है। देश की राजधानी में गर्मी की वजह से कूलर फंखे सब फेल हो गए हैं। उत्तर प्रदेश के अधिकांश इलाकों में भी तापमान बढ़ा हुआ है।

देश की राजधानी में आज अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिन के समय धूल उड़ाती हवाएं और लू चल सकती है। आज शाम मौसम बदलेगा। आंधी तूफान के साथ ही देर रात हल्की बारिश हो सकती है। फिर 13 से 16 जून तक दिल्ली में बारिश हो सकती है। जोकि दिल्ली एनसीआर के लोगों को गर्मी से एक बड़ी राहत देगी।

यूपी में कहीं बूंदाबांदी, तो कहीं लू

मौसम विभाग के अनुसार, आज उत्तर प्रदेश को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। पूर्वांचल के जिलों में गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बूंदाबांदी हो सकती है, लेकिन पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड में अगले एक से दो दिन लू चल सकती है और गर्मी सामान्य से अधिक देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 जून तक मॉनसून यूपी में पहुंच सकता है, जिससे लोगों को राहत मिलने की उमीद है।

बिहार-झारखंड में कैसा है मौसम

बिहार में बुधवार को गर्मी से लोगों का बूरा हाल रहा। हालांकि सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया सहित कई जिलों में तेज आंधी के साथ झमाझम बरसात भी देखने को मिली। आज पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है, लेकिन दक्षिण बिहार गर्मी में तप रहा है। बिहार के सभी 19 जिलों में बारिश की कोई संभावना नहीं है। झारखंड में आज आज पूरे राज्य में गर्जन, आंधी-तूफान, तेज हवा और वज्रपात देखने को मिल सकता है।

राजस्थान में भीषण गर्मी, एमपी में क्या है हाल

पंजाब और हरियाणा में अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी हवाएं चलेंगी, जो शुष्क और गर्म होंगी, जिसके कारण इन दोनों राज्यों में तापमान और बढ़ सकता है। राजस्थान में अभी भीषण गर्मी पड़ रही है, लेकिन यहां मौसम जल्द ही करवट लेगा। 14 जून को 4 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में आज लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

इन राज्यों में भारी बारिश

आज मध्य कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। तटीय और आंतरिक कर्नाटक में भी मध्यम से भारी बारिश देखने को मिल सकती है। पूर्वी और उत्तरी तमिलनाडु में बहुत भारी बारिश की चेतावनी है। आंध्रप्रदेश और यनम में भारी बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र में अगले 4 से 5 दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में मूसलधार बारिश होने की संभावना है।

नखाशा कंपोजित विद्यालय में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। समाधान विकास समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को कंपोजित विद्यालय नखाशा में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक अमित कुमार व समिति के संसाधित व्यक्ति लक्ष्मी कांत शर्मा ने विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा से जुड़ी अहम जानकारियाँ दीं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लक्ष्मी कांत शर्मा ने बताया कि हर वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य खाद्य जनित जोखिमों को रोकने, पहचानने व उनके प्रभावी प्रबंधन के प्रति समाज को जागरूक करना है, ताकि मानव स्वास्थ्य, आर्थिक समृद्धि, कृषि उत्पादन, बाजार की उपलब्धता, पर्यटन तथा सतत विकास जैसे क्षेत्रों में सुरक्षित भोजन की भूमिका सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने कहा कि यह केवल विज्ञान की जानकारी नहीं है, बल्कि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित दिशा-निर्देशों और सलाहों को व्यवहार में लाकर ही भोजन को सुरक्षित बनाया जा सकता है। खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी व्यक्तिगत स्तर से लेकर प्रशासनिक व्यवस्था तक की होती है। जनपद स्तर पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा समय-समय पर दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं, जिनका पालन करना हम सभी का कर्तव्य है। यदि किसी स्तर पर सुरक्षा में चूक दिखाई देती है, तो उसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी जानी चाहिए।कार्यक्रम में जागरूकता बढ़ाने हेतु पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें सुमन मंडल, रेखा मंडल और शिवांगी ने शानदार प्रदर्शन कर प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतिभागियों को संतुलित व संतृप्त आहार की महत्ता के बारे में भी जानकारी दी गई।वरिष्ठ शिक्षक अमित कुमार ने समाधान विकास समिति द्वारा चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से न केवल छात्रों को बल्कि आमजन को भी सुरक्षित भोजन के महत्व को समझने में सहायता मिलती है।कार्यक्रम के समापन पर समिति द्वारा खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ, अभिभावकगण व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

यूपी में बन गया तीसरा मोर्चा, स्वामी प्रसाद बने सीएम फेस, क्या चुनावी सीन बदल पाएंगे?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 का राजनीतिक ताना-बाना बुना जाने लगा है। बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाकर इतिहास रचना चाहती है तो सपा पीडीए फॉर्मूले के सहारे वापसी को बेताब है। बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए और सपा के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन से मुकाबले के लिए यूपी में तीसरे मोर्चे का भी गठन हो गया है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कई छोटे-छोटे दलों को लेकर 'लोक मोर्चा' बनाया है, जिसका ऐलान गुरुवार को लखनऊ में किया जाएगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य लखनऊ के 'दयाल पैराडाइज होटल' में कई छोटे-छोटे दलों के साथ बैठक कर रहे हैं। बैठक के बाद 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तीसरे मोर्चे के गठन का ऐलान किया जाएगा। हालांकि, स्वामी प्रसाद मौर्य ने खुद को लोक मोर्चे का सीएम चेहरा पहले ही घोषित कर दिया है।

ऐसे में सवाल उठता है कि तीसरा मोर्चा बनाकर स्वामी प्रसाद मौर्य 2027 का सियासी सीन कितना बदल पाएंगे?

यूपी में 'तीसरे मोर्चे' का गठन

उत्तर प्रदेश की सियासत में स्वामी प्रसाद मौर्य ने नई सियासी हलचल पैदा करने के लिए तीसरे मोर्चे यानी लोक मोर्चा के गठन की तैयारी कर ली है, जिसका ऐलान गुरुवार को औपचारिक तौर पर करेंगे। इसके लिए कई छोटे-छोटे दलों के साथ बैठक कर रहे हैं। बैठक के बाद मीडिया के साथ लोक मोर्चा में कौन-कौन दल शामिल हो रहे हैं, उनके नाम को सामने रखेंगे। इसके अलावा मोर्चे के स्वरूप और एजेंडे का भी ऐलान कर सकते हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने लोक मोर्चा का गठन कर आगामी पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव पूरे दमखम के साथ लड़ने की रूपरेखा बनाई है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस मोर्चे के जरिए आगामी पंचायत चुनाव में अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की योजना बनाई है। उनका कहना है कि जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ ही विधानसभा चुनाव में सफलता की नींव रखेगी। पंचायत चुनाव के जरिए ही कार्यकर्ताओं को संगठित कर विधानसभा चुनाव की बिसात बिछाई जाएगी।

सीएम फेस होंगे स्वामी प्रसाद मौर्य

यूपी में तीसरे फ्रंट के तौर पर बने लोक मोर्चा के सीएम पद का चेहरा स्वामी प्रसाद मौर्य होंगे। इसकी घोषणा खुद ही उन्होंने की है। पूर्व मंत्री के निजी सचिव सज्जाद अली ने बताया कि लोक मोर्चा में सर्वसम्मति से स्वामी प्रसाद मौर्य को 2027 विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद का चेहरा चुना गया है, जिनकी अगुवाई में ही लोक मोर्चा चुनाव लड़ेगी। हालांकि, लोक मोर्चा की आगामी रणनीति के बारे में स्वामी प्रसाद मौर्य गुरुवार को बैठक के बाद जानकारी देंगे।

स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा गठित किए जा रहे लोक मोर्चा की आगामी रणनीति, सीट बंटवारा, सहयोगी दलों के नाम और चुनावी घोषणापत्र की रूपरेखा वो खुद साझा करेंगे। इस दौरान लोक मोर्चा के साथ कौन-कौन से दल और नेता रहेंगे, इसकी जानकारी भी शेयर करेंगे। पिछले दिनों उनकी मुलाकात नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद से हुई थी। माना जा रहा है कि लोक मोर्चा का हिस्सा चंद्रशेखर आजाद भी बन सकते हैं।

चुनावी सीन बदल पाएंगे स्वामी प्रसाद?

उत्तर प्रदेश की सियासत के मंझे हुए खिलाड़ी स्वामी प्रसाद मौर्य हैं। जनता दल से लेकर बसपा, बीजेपी और सपा में रह चुके हैं। ओबीसी के बड़े नेता माने जाते हैं। पांच बार विधायक रहे चुके हैं और चार बार यूपी में मंत्री रहे हैं। मौर्य-कुशवाहा, सैनी और शाक्य समाज के बीच स्वामी प्रसाद की ठीक-ठाक पकड़ मानी जाती है। आबंडेकर और कांशीराम की सियासी विचारधारा को लेकर आगे चल रहे हैं, लेकिन बसपा से अलग होने के बाद उनकी पकड़ कमजोर पड़ी है।

2022 के विधानसभा चुनाव से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी को छोड़कर सपा का दामन थाम लिया था। हालांकि, सपा में उनका सियासी सफर लंबा नहीं चला और जनता पार्टी के नाम से अपना नया दल बना लिया और अब छोटे दलों को साथ मिलाकर तीसरा फ्रंट यानी लोक मोर्चा बनाने का ऐलान किया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या स्वामी प्रसाद मौर्य का यह नया सियासी प्रयोग जनता को लुभा पाएगा या फिर यह भी अन्य मोर्चों की तरह सीमित प्रभाव ही डाल पाएगा।

स्वामी प्रसाद की पकड़ कमजोर पड़ी?

यूपी की सियासत में एक समय स्वामी प्रसाद मौर्य की पकड़ मौर्य-कुशवाहा, सैनी और शाक्य समाज के बीच मजबूत थी। यूपी में अपने समाज के बदौलत बड़े नेता बने और मायावती ने उन्हें चुनाव हारने के बाद भी मंत्री बनाया था। यूपी की बदली हुई सियासत में जिस समाज पर उनकी कभी पकड़ हुआ करती थी, उसके बड़े नेता बनकर बीजेपी के केशव प्रसाद मौर्य उभरे हैं। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव में स्वामी प्रसाद का समाज सपा के साथ खड़ा नजर आया है। इस तरह स्वामी प्रसाद की पकड़ से मौर्य-कुशवाहा, सैनी-शाक्य समाज बाहर निकला है और अलग-अलग पार्टियों के साथ खड़ा नजर आ रहा है। यूपी में चुनावी लड़ाई दो ध्रुवीय हो गई है। एक तरफ वोटर बीजेपी को जिताना चाहता है तो दूसरा बीजेपी को हराना। यूपी में चुनावी लड़ाई सपा के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन और बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच सिमटी हुई पिछले दो चुनाव से दिख रही है। ऐसे में स्वामी प्रसाद मौर्य छोटे-छोटे दलों को मिलाकर कितना बड़ा खेल कर पाएंगे, ये कहना अभी मुश्किल है?

डिलीवरी के बाद महिलाओं के शरीर में होते हैं ये बदलाव, एक्सपर्ट से जानें कैसे करें केयर

डिलीवरी के बाद हर महिला की जिंदगी और शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। इसके साथ ही इस दौरान शारीरिक बदलाव और बढ़ती जिम्मेदारियों के कारण मेंटल हेल्थ पर भी प्रभाव पड़ सकता है। इस समय बच्चे के साथ अपना ख्याल रखना भी जरूरी है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से इसके बारे में

डिलीवरी के बाद बच्चे को अपने हाथों में लेना और गले से लगाना हर महिला की जिंदगी का सबसे खूबसूरत पल होता है। लेकिन प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद से ही उनके शरीर में न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी कई तरह के बदलाव आते हैं। इस दौरान बच्चे और घर की जिम्मेदारियों का असर उनकी मेंटल हेल्थ पर भी दिखाई दे सकता है।

कई महिलाओं को डिलीवरी के बाद में पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या भी हो सकती है। इसलिए इस दौरान अपना ख्याल रखना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से कि डिलिवरी के बाद महिला के शरीर में किस तरह के बदलाव आते हैं और उन्हें अपना ख्याल कैसे रखना चाहिए।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में कंसल्टेंट ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी डॉक्टर निखत सिद्दीकी ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद महिला के शरीर और मन दोनों में कई तरह के बदलाव आते हैं, जो बिल्कुल सामान्य हैं। फिजिकली बात करें तो शरीर थकावट ज्यादा महसूस करता है, वजन बढ़ सकता है, पीठ या पेट में दर्द, हार्मोनल बदलाव के कारण बाल झड़ना, स्किन का डल नजर आना या मूड में उतार-चढ़ाव महसूस होना आम है। मेंटल हेल्थ की बात करें तो वाकई महिलाओं को चिंता, तनाव, चिड़चिड़ापन या कभी-कभी डिप्रेशन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर यह समस्या ज्यादा बढ़ जाए तो पोस्टपार्टम डिप्रेशन की समस्या की संभावना बढ़ सकती है।

डिलीवरी के बाद अपना ख्याल रखने के लिए बहुत जरूरी है कि खुद को समय दें और यह समझें कि यह एक नेचुरल प्रोसेस है। बच्चे के साथ-साथ अपना ख्याल रखें। नवजात बच्चे के साथ नींद पूरी करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, लेकिन सही नींद लेने की कोशिश करें। हेल्दी डाइट फॉलो करें। इसके साथ ही इस समय परिवार और पति की मदद लें। जरूरी नहीं है आप हर काम खुद करें। इसके लिए आप

परिवार के सदस्यों से मदद लें। रोजाना हल्का व्यायाम या वॉक करें। किसी भरोसेमंद से खुलकर बात करना और जरूरत पड़े तो प्रोफेशनल काउंसलिंग लेना फायदेमंद हो सकता है। बच्चा पालना एक खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, इस दौरान मां को खुद को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

पूरी नींद लें

रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद पूरी करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी माना जाता है। इस दौरान थकान को दूर करने और शरीर में दोबारा एनर्जी बनाने में मदद मिलती है। जो इस समय हर मां के लिए जरूरी है, क्योंकि इनके ऊपर अपनी और बच्चे दोनों की जिम्मेदारी होती है। लेकिन बच्चे के साथ रात में नींद पूरी कर पाने में मुश्किल हो सकती है। इसलिए इस दौरान आप अपने परिवार वालों की मदद ले सकती हैं या अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव कर सकती हैं जैसे जब बच्चा सो रहा हो, तब आप भी अपनी नींद पूरी कर सकती हैं।

डाइट पर ध्यान दें

प्रेगनेंसी के दौरान और डिलीवरी के बाद दोनों में ही अपने खान-पान पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। इस दौरान पोषक तत्वों से भरपूर हेल्दी डाइट लें। जंक-फूड, ज्यादा मसालेदार और ऑयली चीजें नहीं खाना चाहिए। साथ ही शरीर में गैस और ब्लोटिंग की समस्या पैदा करना वाली चीजों को खाने से भी परहेज करें।

आराम करें और अपनों की मदद लें

डिलीवरी के बाद शरीर में फिजिकली और मेंटली कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। इसलिए इस दौरान आपको आराम करना चाहिए। इसलिए घर के काम और बच्चे की देखभाल के लिए अपने परिवार के सदस्यों से मदद लेना सही रहेगा। जिससे की आपको आराम करने के लिए समय मिल सके।

हिमाचल और उत्तराखंड में इन जगहों पर लगा है लंबा जाम, ट्रिप प्लान करते समय इन बातों का रखें ध्यान

गर्मी की छुट्टियों में ज्यादातर लोग ठंडी जगहों पर हिमाचल और उत्तराखंड घूमने जाने का प्लान बनाते हैं। इसलिए इस दौरान यहां पर काफी भीड़-भाड़ होती है। अगर आप भी इस समय पहाड़ों में घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

मसूरी और नैनीताल में इस समय काफी भीड़ है। रास्तों में गाड़ियों का जाम नजर आता है। बीते रविवार को तो देहरादून और हरिद्वार में सुबह से लेकर देर रात जाम लग गया। देहरादून और ऋषिकेश के जाम में भी अगर फस जाए, तो 5 घंटे के सफर में 1 घंटे का समय लग सकता है। वहीं कैंची धाम में भी भक्तों की भारी भिड़ देखने को मिल रही है, जिस कारण कैंची धाम और नैनीताल के रास्ते में भी काफी ट्रैफिक मिल सकता है।

मसूरी और नैनीताल में इस समय काफी भीड़ है। रास्तों में गाड़ियों का जाम नजर आता है। बीते रविवार को तो देहरादून और हरिद्वार में सुबह से लेकर देर रात जाम लग गया। देहरादून और ऋषिकेश के जाम में भी अगर फस जाए, तो 5 घंटे के सफर में 1 घंटे का समय लग सकता है। वहीं कैंची धाम में भी भक्तों की भारी भिड़ देखने को मिल रही है, जिस कारण कैंची धाम और नैनीताल के रास्ते में भी काफी ट्रैफिक मिल सकता है।

ट्रैफिक आपकी ट्रिप के मजे को खराब कर सकता है। इसलिए प्लान बनाने से पहले पहले स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी की गई एडवाइजरी या ट्रैफिक अपडेट्स पर नजर रखें। क्योंकि कई बार बारिस, मरम्मत या फिर कुछ कारणों से रास्ते बंद हो सकते हैं। इसलिए सफर शुरू करने से पहले उस जगह और रास्ते के बारे में अपडेट लें।

पहाड़ों में मौसम कब बदल जाए, इसका कुछ कहा नहीं जा सकता है। इसलिए अगर मौसम खराब हो रहा है, तो अपनी सुरक्षा का ध्यान में रखते हुए प्लान में बदलाव करें। क्योंकि इसके कारण आगे के रास्ते में जाम मिल सकता है। ऐसे में ट्रिप के दौरान किसी सुरक्षित स्थान पर रुक जाना बेहतर होता है। पहाड़ों में धुंध या बारिश के दौरान ट्रैवल करना सुरक्षित नहीं होता है।

छुट्टियों के दौरान लोकप्रिय स्थलों जैसे शिमला, मनाली, नैनीताल आदि में भारी भीड़ होती है, खासकर की यहां प्रसिद्ध कुछ जगहों पर। इसलिए भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने का प्लान बनाने से बचें। कोशिश करें कि यात्रा ऑफ-सीजन में करें या ऐसे स्थानों का चयन करें जो कम भीड़भाड़ वाले हों। इससे ट्रैफिक कम मिल सकता है।

पहाड़ों में ड्राइविंग करते समय सही से ड्राइविंग करें। पहाड़ी सड़कों पर ओवरटेकिंग न करें, खासकर मोड़ों पर। हमेशा अपनी लेन में चलें। ट्रैफिक नियमों का पालन करें। स्पीड कम रखें। मोड़ पर सावधानी बरतें और दूसरे वाहनों से दूरी बनाए रखें।

शिल्पा शेट्टी 50 की उम्र में भी काफी फैशनेबल हैं। एक्ट्रेस के साड़ी लुक्स कमाल के होते हैं। आप उनसे किसी भी पार्टी या वेडिंग के लिए साड़ी स्टाइलिंग टिप्स ले सकती हैं। यहां हम आपको एक्ट्रेस के कुछ साड़ी लुक्स दिखा रहे हैं, जो आपको ट्रेडिशनल के साथ स्टाइलिश लुक देने में मदद करेंगे।

शिल्पा शेट्टी की तरह कैरी करें साड़ी, ट्रेडिशनल लुक में भी लगेंगी स्टाइलिश

शिल्पा शेट्टी ने टीश्यू फैब्रिक की साड़ी पहनी है। इस साड़ी में सिर्फ बॉर्डर पर लेस डिटेलिंग हुई है। इसके साथ एक्ट्रेस ने मैचिंग ब्लाउज कैरी किया है। ये सिंपल साड़ी भी काफी एलिगेंट लग रही है। इस साड़ी के साथ शिल्पा ने हैवी इयरिंग्स पहने हैं और बालों को खुला रखा है। साथ ही लाइट मेकअप कर अपना लुक कंप्लीट किया है।

शिल्पा शेट्टी ने टीश्यू फैब्रिक की साड़ी पहनी है। इस साड़ी में सिर्फ बॉर्डर पर लेस डिटेलिंग हुई है। इसके साथ एक्ट्रेस ने मैचिंग ब्लाउज कैरी किया है। ये सिंपल साड़ी भी काफी एलिगेंट लग रही है। इस साड़ी के साथ शिल्पा ने हैवी इयरिंग्स पहने हैं और बालों को खुला रखा है। साथ ही लाइट मेकअप कर अपना लुक कंप्लीट किया है।

शिल्पा की ये पिंक कलर की नेट साड़ी भी कमाल की है। ये जॉर्जेट फैब्रिक की है जिसमें हैंड वर्क हुआ है। इसके साथ शिल्पा ने जो ब्लाउज पहना है वो काफी खूबसूरत है। पूरे ब्लाउज में हैंड वर्क है। साथ ही हाईनेक का ये ब्लाउज स्टाइलिश भी लग रहा है। इंडो वेस्टर्न स्टाइल की ये साड़ी कमाल का लुक दे रही है।

शिल्पा की ये पिंक कलर की नेट साड़ी भी कमाल की है। ये जॉर्जेट फैब्रिक की है जिसमें हैंड वर्क हुआ है। इसके साथ शिल्पा ने जो ब्लाउज पहना है वो काफी खूबसूरत है। पूरे ब्लाउज में हैंड वर्क है। साथ ही हाईनेक का ये ब्लाउज स्टाइलिश भी लग रहा है। इंडो वेस्टर्न स्टाइल की ये साड़ी कमाल का लुक दे रही है।

शिल्पा शेट्टी ने गोल्डन कलर की नेट फैब्रिक की साड़ी पहनी है। इसके साथ मैचिंग नेट ब्लाउज कैरी किया है। लेकिन ब्लाउज स्ट्रैपलेस और क्रॉसेट स्टाइल में डिजाइन दिया गया है, जो इसे ग्लैमरस लुक दे रहा है। इस साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने पर्ल का चोकर नेकलेस पहना है और बालों को वेवी कर्ल्स दिए हैं। ये लुक भी काफी स्टाइलिश है।

शिल्पा शेट्टी ने गोल्डन कलर की नेट फैब्रिक की साड़ी पहनी है। इसके साथ मैचिंग नेट ब्लाउज कैरी किया है। लेकिन ब्लाउज स्ट्रैपलेस और क्रॉसेट स्टाइल में डिजाइन दिया गया है, जो इसे ग्लैमरस लुक दे रहा है। इस साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने पर्ल का चोकर नेकलेस पहना है और बालों को वेवी कर्ल्स दिए हैं। ये लुक भी काफी स्टाइलिश है।

शिल्पा शेट्टी ग्लोडन कलर की रफल साड़ी में नजर आ रही हैं। इसका फैब्रिक काफी अलग है जो इसे स्ट्रेचिबल लुक दे रहा है। साड़ी के साथ मैचिंग हाईनेक ब्लाउज है। साड़ी के पल्लू को शिल्पा ने काफी अलग अंदाज में कैरी किया है जो इसे डिफ्रेंट लुक रहा है। बोल्ड मेकअप में शिल्पा बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

शिल्पा शेट्टी ग्लोडन कलर की रफल साड़ी में नजर आ रही हैं। इसका फैब्रिक काफी अलग है जो इसे स्ट्रेचिबल लुक दे रहा है। साड़ी के साथ मैचिंग हाईनेक ब्लाउज है। साड़ी के पल्लू को शिल्पा ने काफी अलग अंदाज में कैरी किया है जो इसे डिफ्रेंट लुक रहा है। बोल्ड मेकअप में शिल्पा बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

अगर आप कुछ सिंपल पहनना चाहती हैं तो शिल्पा शेट्टी की ये मल्टीकलर की साड़ी भी एक अच्छा ऑप्शन है। इस साड़ी में कई कलर्स की लाइनिंग बनी हुई है। सेमी सैटिन फैब्रिक की इस साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने मल्टी कलर ब्लाउज पहना है, जिसमें हैंड वर्क है। नाक में नोज पिन, चोकर सेट और ब्रेसलेट के साथ शिल्पा ने लुक कंप्लीट किया है।

अगर आप कुछ सिंपल पहनना चाहती हैं तो शिल्पा शेट्टी की ये मल्टीकलर की साड़ी भी एक अच्छा ऑप्शन है। इस साड़ी में कई कलर्स की लाइनिंग बनी हुई है। सेमी सैटिन फैब्रिक की इस साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने मल्टी कलर ब्लाउज पहना है, जिसमें हैंड वर्क है। नाक में नोज पिन, चोकर सेट और ब्रेसलेट के साथ शिल्पा ने लुक कंप्लीट किया है।

अब हर किसी को मिल सकेगा तत्काल टिकट, एजेंटों की बढ़ेगी मुश्किल, आम जनता के लिए पहला 30 मिनट

भारतीय रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए तत्काल टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है। अब तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होते ही पहले 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए आरक्षित रहेंगे। इस दौरान किसी भी अधिकृत एजेंट या थर्ड पार्टी प्लेटफॉर्म को टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला रेलवे ने टिकट बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और एजेंटों की मनमानी रोकने के उद्देश्य से लिया है।

अब तक देखा गया है कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलते ही कुछ ही मिनटों में सारे टिकट बुक हो जाते थे, जिनमें बड़ी संख्या में टिकट एजेंटों के द्वारा ब्लॉक कर लिए जाते थे। इससे आम यात्री वंचित रह जाते थे और उन्हें अधिक पैसे देकर एजेंटों से टिकट खरीदने पड़ते थे। रेलवे के इस नए नियम से अब आम लोगों को प्राथमिकता मिलेगी और उन्हें टिकट बुक करने का उचित मौका मिलेगा।

कैसे काम करेगी रेलवे की नई व्यवस्था

रेलवे ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत सुबह 10 बजे एसी कोटा और 11 बजे स्लीपर कोटा की तत्काल बुकिंग जब शुरू होती है, तो शुरुआती 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए होंगे। इसके बाद ही एजेंट या बुकिंग सर्विस प्रोवाइडर टिकट बुक कर सकेंगे।

AI चैटबॉट रखेगा टिकट बुकिंग पर नजर

इसके अलावा रेलवे ने डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया है। अब टिकट बुकिंग प्रक्रिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित निगरानी रखी जाएगी, जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या बॉट के जरिए बुकिंग को तुरंत पहचान लेगा और उस पर कार्रवाई करेगा।

यह कदम रेलवे की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और ग्राहक केंद्रित नीतियों का हिस्सा है। इससे न केवल बुकिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि एजेंटों के माध्यम से टिकट ब्लैकिंग और अवैध वसूली पर भी अंकुश लगेगा। रेलवे के इस निर्णय का स्वागत यात्रियों द्वारा किया जा रहा है। यह आम जनता को टिकट बुकिंग में बराबरी का मौका देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इससे यात्रियों की असुविधा कम होगी और एजेंटों की पकड़ ढीली पड़ेगी।

यूपीआई फेक या रियल? अब हर ट्रांजैक्शन पर रखेगा सेबी नजर, नहीं होगी धोखाधड़ी

सेबी का यह नया वैलिड सिस्टम निवेशकों को फर्जीवाड़ों से बचाने और शेयर बाजार में सुरक्षित लेन-देन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम है। इसके लागू होने से निवेशकों के मन में विश्वास और पारदर्शिता की भावना और मजबूत होगी।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अब लेन-देन और ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी हो जाएगा। बाजार नियामक सेबी (सेबी) ने वैलिड यूपीआई नाम से एक नया और यूनिक पेमेंट सिस्टम लॉन्च किया है, जो 1 अक्टूबर 2025 से पूरे देश में लागू होगा। इस सिस्टम के जरिए निवेशक अब केवल सेबी से रजिस्टर्ड ब्रोकर, म्यूचुअल फंड, रिसर्च एनालिस्ट या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर को ही भुगतान कर सकेंगे।

क्या है वैलिड यूपीआई सिस्टम?

इस नई व्यवस्था के तहत हर रजिस्टर्ड ब्रोकर या मार्केट इंटरमीडियरी को एक विशेष यूपीआई ID दी जाएगी, जिसमें @वैलिड हैंडल होगा। इस ID पर एक ग्रीन थम्ब्स-अप का चिन्ह भी दिखेगा, जो यह पुष्टि करेगा कि संबंधित संस्था सेबी द्वारा अधिकृत है। इससे निवेशकों को यह पहचानने में आसानी होगी कि उनका पैसा सही और प्रमाणिक संस्था को जा रहा है या नहीं।

धोखाधड़ी से बचाएगा वैलिड

सेबी चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि, हम यूपीआई इकोसिस्टम में ऐसा मैकेनिज्म ला रहे हैं जिससे यह पता लगाया जा सके कि कोई यूपीआई एड्रेस असली है या नहीं। सेबी का मानना है कि इससे फर्जी संस्थाओं के जाल में फंसने की आशंका घटेगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा। यह सिस्टम NPCI, बैंकों और अन्य बाजार नियामकों के साथ मिलकर तैयार किया गया है।

सेबी चेक से करें वेरिफिकेशन

इसके साथ ही सेबी ने सेबी चेक नामक एक अतिरिक्त सुविधा भी शुरू की है, जिसके जरिए निवेशक किसी भी ब्रोकर या संस्थान की यूपीआई ID की वैधता QR कोड स्कैन करके या ID डालकर जांच सकते हैं।

यूपीआई के ज़रिए मार्केट लेनदेन की सीमा 5 लाख प्रतिदिन तय की गई है।

निवेशक केवल सेबी मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही भुगतान कर पाएंगे।

पूरी प्रक्रिया तेज़, पारदर्शी और सुरक्षित होगी।

सेबी का यह नया वैलिड सिस्टम निवेशकों को फर्जीवाड़ों से बचाने और शेयर बाजार में सुरक्षित लेन-देन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम है। इसके लागू होने से निवेशकों के मन में विश्वास और पारदर्शिता की भावना और मजबूत होगी।

दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा भारतीय बाजार

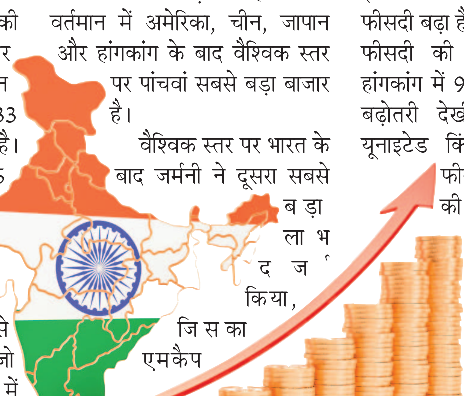

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की लिस्टेड कंपनियों ने मार्च 2025 की शुरुआत से अब तक बाजार पूंजीकरण में लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी की है, जो 5.33 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। अक्टूबर 2024 और फरवरी 2025 के बीच पांच महीने के सुधार के बाद निरंतर तेजी को दिखाता है।

प्रतिशत के लिहाज से, बाजार पूंजीकरण में 21 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है - जो दुनिया के टॉप 10 इक्विटी बाजारों में सबसे अधिक बढ़ोतरी है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा बाजार है।

वैश्विक स्तर पर भारत के बाद जर्मनी ने दूसरा सबसे बड़ा लाभ दर्ज किया, जिसका एमकैप इस अवधि के दौरान लगभग 14 फीसदी बढ़ा है। कनाडा में लगभग 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि हांगकांग में 9 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई। जापान और यूनाइटेड किंगडम में लगभग 8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इस अवधि के दौरान भारत के बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी में 12.5 फीसदी और 13.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि व्यापक बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमश- 20.7 फीसदी और 26 फीसदी से अधिक चढ़े हैं। हालांकि इस मजबूत रैली ने मूल्यांकन को एक बार फिर से ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो दुनिया का सबसे बड़ा इक्विटी बाजार है, ने लगभग 2.4 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि दूसरे सबसे बड़े चीन में 2.7 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। फ्रांस और ताइवान ने क्रमश- 3.9 फीसदी और 3.2 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की।

24 घंटे में ही खुल गई पाकिस्तान की पोल, अमेरिका के विक्ट्री डे में असीम मुनीर को नहीं मिला न्योता

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान का एक और झूठ दुनिया के सामने आ गया है। पाकिस्तान पूरी दुनिया में खुद को बड़ा चढ़ाकर दिखाने की हर कोशिश करता है, ऐसी ही एक कोशिश का पर्दाफाश हो गया है। बुधवार को पाकिस्तान की और से बताया गया था कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिका में होने वाली 250वीं विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के लिए न्योता मिला है।

सूत्रों से पता चला है कि पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर को विक्ट्री डे परेड में न्योता नहीं दिया गया है। मुनीर बस अमेरिका विजिट पर जा रहे है जहां वो अपने काउंटरपार्ट से मिलेंगे और उनका ये दौरा विक्ट्री डे परेड के लिए नहीं हो रहा है।

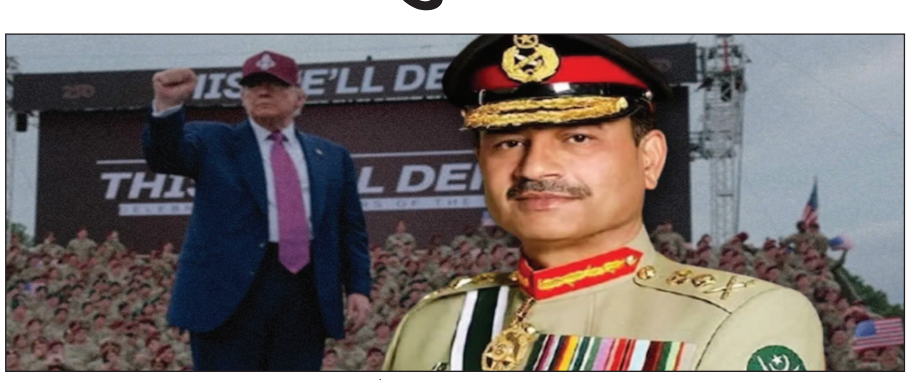

पाकिस्तानी की फजीहत

पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा में मुनीर के विजिट को हाइप किया जा रहा था कि उन्हें विक्ट्री डे परेड में न्योता दिया गया है। हालांकि अभी भी भारत की नजरें आसिम मुनीर के इस दौरे पर रहने वाली है, क्योंकि ये दौरा भारत पाक तनाव के एक महीने बाद हो रहा है।

अमेरिकी अधिकारी ने पाक को बताया भागीदार

यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के बारे में कहा, "वे अभी आतंकवाद विरोधी लड़ाई में सक्रिय हैं और आतंकवाद विरोधी दुनिया में वे एक अभूतपूर्व भागीदार रहे हैं।" उन्होंने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर ISIS-K आतंकवादियों का पीछा करने के लिए पाकिस्तानी सेना की सराहना भी की।

भारत-पाकिस्तान लड़ाई रुकवाने का ट्रंप ने लिया था क्रेडिट

7 मई को भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर लांच करने के बाद भारत पाक का तनाव अपने चरम पर पहुंच गया था। पहलगाम हमले में मारे 26 नागरिकों का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने पाक में मौजूद आतंकियों के ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया था, दावा है कि इस हमले में करीब 100 आतंकी मारे गए हैं। जिसके बाद पाकिस्तान की ओर भारत पर हमले किए गए, जिनका जवाब भारतीय सेना ने मुंह तोड़ दिया। चार दिन तक चले इस तनाव के ट्रंप ने ऐलान किया कि दोनों देशों में सीजफायर हो गया है। इसके बाद उन्होंने कई मंचों पर इसका क्रेडिट लिया और कहा कि हमने भारत पाकिस्तान का युद्ध खत्म कराया है।

तूफान वुटिप क्या है, जो 3 दिन तक चीन में मचाएगा तांडव

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर में बना एक ट्रॉपिकल डिप्रेशन बुधवार सुबह पहला बड़ा तूफान बन गया है, जिसका नाम है वुटिप। ये तूफान अगले तीन दिनों तक दक्षिण चीन के कई इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचा सकता है।

चीन की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (NMC) के मुताबिक, वुटिप शुक्रवार को हाइनान और ग्वांगडोंग के तटीय इलाकों से टकरा सकता है। ये इस साल का पहला तूफान होगा जो चीन की जमीन से टकराएगा। नेतन्याहू के बूते गाजा में मुसलमानों से गद्दारी कर रहा था यासिर गैंग, हमास ने 50 को मौत की नींद सुलाया

हाइनान, ग्वांगडोंग और ग्वांग्शी जैसे दक्षिणी इलाकों में बुधवार से शनिवार तक भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हाइनान के मध्य और पूर्वी हिस्सों में 100 से 150 मिमी तक बारिश हो सकती है। इसके चलते इन क्षेत्रों में बाढ़, भूस्खलन और नदियों के उफान का खतरा बढ़ गया है।

सरकारी तैयारियां जोरों पर

चीन की आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने लेवल IV से बढ़ाकर लेवल III अलर्ट जारी कर दिया है। हाइनान और ग्वांगडोंग में बाढ़ और तूफान से निपटने के लिए टीमें भेज दी गई हैं। कई इलाकों में नौका सेवाएं बंद कर दी गई हैं, सैंकड़ों कर्मियों को समुद्री प्लेटफॉर्म्स से हटाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

क्यों अलग है वुटिप?

आंकड़ों के अनुसार, इस साल का पहला तूफान औसत से दो महीने देर से बना है। आमतौर पर पहला तूफान मार्च में बनता है, लेकिन इस बार जून में बना है। हालांकि ये 13 जून को जमीन से टकराएगा, जो औसतन 27 जून के मुकाबले जल्दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ये देर से आना खेती और मछली पकड़ने के मौसम के लिए बेहतर है, लेकिन अब जब यह बन चुका है, तो पूरी सतर्कता ज़रूरी है।

लोगों को क्या आदेश दिए गए हैं?

मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी दी है कि तूफान के असर वाले इलाकों में पेड़ों को बांधें, ढीले निर्माणों को मज़बूत करें, और स्थानीय प्रशासन की चेतावनियों पर ध्यान दें। समुद्री गतिविधियां पूरी तरह रोक दी गई हैं और लोगों को घरों में सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है।

11 करोड़ रुपए देकर बावर्ची से अपने लिए खाना बनवाएंगे शहबाज शरीफ, बजट रिपोर्ट से खुलासा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में जहां बजट 2025 में टैक्स वसूलने और आम नागरिकों को राहत नहीं देने पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं अब नेशनल असेंबली में पेश किए गए इस साल के बजट को लेकर नया खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक बजट में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके आवास के रखरखाव के लिए करोड़ों रुपए का फंड दिया गया है। सबसे ज्यादा चर्चा शहबाज शरीफ के बावर्ची (खानसामा) की सैलरी को लेकर हो रही है।

जियो न्यूज के मुताबिक शहबाज शरीफ के बावर्ची को प्रत्येक साल 11 करोड़ रुपए देने के लिए फंड आवंटित किया गया है। अगर महीने में देखा जाए तो यह करीब 90 लाख रुपए प्रतिमाह है। यानी शहबाज के लिए खाना बनाने वाले को हर साल 90 लाख रुपए दिए जाएंगे।

बगीचे के रखरखाव के लिए 4 ।48 करोड़ का फंड

बजट 2026 में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बगीचे के रखरखाव के लिए 4 करोड़ 48 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। यह प्रतिमाह करीब 35 लाख से ज्यादा है। बगीचे के रखरखाव में माली की सैलरी और फूलों का खरीदना शामिल है।

शहबाज के सुरक्षा में अब 86 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष खर्च किए जाएंगे। यह पहले 72 करोड़ प्रतिवर्ष था। शहबाज को हाईलेवल सिक्योरिटी मिली हुई है। शहबाज को गाड़ियों के काफिले के लिए 9 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

शहबाज इन पैसों से अपने काफिले में नई गाड़ियों को शामिल कर पाएंगे। इसके अलावा पीएम आवास में प्राइमरी डिस्पेंसरी के नाम पर 1 ।5 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

शहबाज के आवास में काम करने वाले सरकारी अधिकारियों को तन्खवाह देने के लिए 50 करोड़ पाकिस्तानी रुपए आवंटित किए गए हैं।

पाकिस्तान में बजट पर बवाल जारी है

पाकिस्तान में बजट 2025 को लेकर इमरान खान की पार्टी ने राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन का ऐलान किया है। इमरान की पार्टी का कहना है कि बजट में न तो किसानों के लिए कुछ है और न ही मध्यमवर्ग के लोगों के लिए।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई के मुताबिक बजट को आईएमएफ के निर्देश पर तैयार किया गया है। इसमें सिर्फ लोगों से टैक्स वसूलने का प्लान है। यह पाकिस्तान की जनता के साथ धोखा है।

दिन-रात एक किया फिर भी ब्रिटेन में धरा का धरा रह गया यूनुस का प्लान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस का लंदन दौरा सुर्खियों में है। यूनुस चाहते थे कि ब्रिटेन की नई लेबर सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलें और शेख हसीना सरकार के कार्यकाल में कथित रूप से विदेश भेजी गई अरबों की रकम को वापस लाने में मदद करें।

लेकिन फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूनुस से मिलने का अनुरोध ठुकरा दिया है। यूनुस ने कहा कि उनसे मेरी कोई सीधी बातचीत नहीं हुई है लेकिन उन्हें अब भी भरोसा है कि ब्रिटेन उनकी सरकार के साथ खड़ा होगा। यूनुस का दावा है कि हसीना सरकार के 16 साल के शासन में करीब 234 अरब डॉलर की राशि गलत तरीके से विदेश भेजी गई, जिसमें ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर,

कैरिबियन और मिडल ईस्ट प्रमुख ठिकाने रहे। उन्होंने ब्रिटेन से अपील की कि इस धन को वापस लाने में ब्रिटेन को नैतिक और कानूनी रूप से मदद करनी चाहिए। यूनुस का कहना है कि ये कोई राजनीतिक मामला नहीं, बल्कि एक सीधा-सीधा लूट का मामला है।

ब्रिटेन की एजेंसियों ने क्या एक्शन लिया है?

ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी ने हसीना सरकार के सहयोगी सलमान एफ रहमान के बेटे की लंदन स्थित दो प्रॉपर्टी पर फ्रीजिंग ऑर्डर लगाए हैं। वहीं, एक और मंत्री सैफुज़्ज़मान चौधरी की संपत्तियां भी एजेंसी ने जब्त की हैं। हालांकि यूनुस का कहना है कि उन्हें और ज्यादा उत्साही समर्थन की दरकार है। उनका कहना है कि ये दौरा सिर्फ एक शुरुआत है और वे ब्रिटिश बैंकों, कंपनियों और खुफिया एजेंसियों से सहयोग की उम्मीद रखते हैं।

तुलिप सिद्दीक ने मांगी यूनुस से मुलाकात

हसीना की भांजी और लेबर पार्टी की सांसद तुलिप सिद्दीक़, जो एक समय ब्रिटेन में भ्रष्टाचार निरोधक मंत्री भी थीं, ने यूनुस से मुलाकात की इच्छा जताई थी। लेकिन यूनुस ने इंकार करते हुए कहा कि ये कोई व्यक्तिगत मसला नहीं, बल्कि पूरी तरह कानूनी मुद्दा है। गौरतलब है कि जनवरी 2025 में तुलिप को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था, जब उन पर आरोप लगे कि उन्हें हसीना सरकार के करीबियों से प्रॉपर्टी और अन्य मदद मिली थी। हालांकि उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया।

महेशतला में मंदिर में तोड़फोड़, जमकर झड़प और पथराव, अब तक 40 गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के महेशतला में बुधवार को हिंसा फैल गई। दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद तनाव फैल गया, जिसकी वजह से एक शिव मंदिर में कथित तौर पर तोड़फोड़ हुई। लोगों ने पुलिस पर भी हमला किया और आगजनी से लेकर, ईंटें तक फेंकी गई, घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की गई। इस हिंसा के बाद पुलिस इलाके में एक्टिव हो गई है। अब तक मामले में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एरिया में भारी पुलिस तैनाती हुई और कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 को बुधवार को लागू किया गया।

40 लोगों को किया गया गिरफ्तार

इस मामले में अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को हुई घटना के बाद पुलिस कर्मियों की शिकायतों के आधार पर नदियाल पुलिस स्टेशन में 4 मामले दर्ज किए गए हैं। कोलकाता पुलिस ने इस घटना में 12 लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। दूसरी ओर, बंगाल पुलिस के तहत 3 मामले दर्ज किए गए हैं। अब तक पुलिस ने 28 लोगों को गिरफ्तार किया है।

क्यों फैली हिंसा?

कथित तौर पर महेशतला में एक शिव मंदिर के सामने फलों की दुकान लगाने को लेकर दो समूहों के बीच झड़प शुरू हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उस समय अराजकता फैल गई जब भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, वाहनों को आग लगा दी और रवीन्द्रनगर पुलिस स्टेशन के बाहर अधिकारियों के साथ झड़प हुई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "छतों से ईंटें फेंकी गईं, सड़कों पर टायर जलाए गए और उपद्रवियों ने पुलिस स्टेशन के सामने एक बाइक को आग लगा दी। कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम एक महिला पुलिस अधिकारी ईंट लगने से घायल हो गईं। हिंसा को रोकने के लिए और हालातों पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कोलकाता और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) से अतिरिक्त बल तैनात किया गया।

सुवेंदु अधिकारी जाएंगे महेशतला

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस मामले को लेकर कहा, डायमंड हार्बर पुलिस जिले के एसपी और डीजीपी से संपर्क किया है ताकि आज मैं एक विधायक के साथ रवींद्रनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत महेशतला जाकर पीड़ित हिंदू परिवारों और कल जिहादियों के हमले में प्रभावित हिंदू दुकानदारों से मिल सकूं और उनके साथ एकजुटता व्यक्त कर सकूं। यह दौरा उनकी शिकायतों को समझने और उनकी आवाज को सुनने की दिशा में एक कदम है। मुझे उम्मीद है कि प्रशासन मेरे दौरे में बाधा नहीं डालेगा।

सुकांत मजूमदार ने भी किया जाने का ऐलान

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हंगामे के लिए ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधा। जानकारी के मुताबिक, सुकांत मजूमदार महेशतला जा रहे हैं, अगर पुलिस ने उन्हें रोका तो आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से होगा। उन्होंने कहा, पुलिस सिर्फ हमें रोक सकती है, दंगा करने वालों को नहीं रोक सकती।

देशभर में मौसम की मार : कहीं झुलसाती गर्मी, कहीं बारिश की आफत ; कर्नाटक में एक दिन छुट्टी, हैदराबाद में जलभराव

नई दिल्ली। देश पिछले कई दिनों से मौसम की मार झेल रहा है। कहीं, झुलसी गर्मी पड़ रही है, तो कहीं बारिश आफत बनी हुई है। जहां एक तरफ, दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी की चपेट में है। वहीं, दूसरी तरफ कर्नाटक और तेलंगाना में बारिश के बाद जलभराव की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने कर्नाटक में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते स्कूलों में एक दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है।

कर्नाटक और तेलंगाना में बारिश के चलते जलभराव की स्थिति बनी हुई है। कर्नाटक में हुबली के कुछ हिस्सों में बारिश के बाद जलभराव हो गया है। हुबली की संगम कॉलोनी और अरिहंत लेआउट में जलभराव की स्थिति है। वहीं, हैदराबाद के संतोष नगर और चंपापेट इलाकों में जलभराव हुआ है।

कर्नाटक में भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने कर्नाटक में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने 17 जून तक कर्नाटक के सभी जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। इसे देखते हुए हुए धारवाड़ जिले की उपायुक्त दिव्या ने पूरे जिले के सभी आंगनबाड़ियों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों, पीयू और डिग्री कॉलेजों में आज एक दिन की छुट्टी की घोषणा की है।

इन राज्यों में चलेगी लू

आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। अगले 3-4 दिनों में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में लू चलने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान अगले तीन दिनों तक रेड अलर्ट पर रहेंगे। दिल्ली-एनसीआर बुधवार और बृहस्पतिवार को रेड अलर्ट पर हैं उसके बाद 13 जून को ऑरेंज अलर्ट रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 13 की रात से हल्की बारिश और आंधी-तूफान के बाद कुछ राहत मिल सकती है।

आज से फिर सक्रिय होगा मानसून

दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर भी अच्छी खबर है। लगभग दो हफ्ते के ठहराव के बाद बृहस्पतिवार से मानसून के फिर सक्रिय होने और आगे बढ़ने की संभावना है। आईएमडी ने 12-15 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और 13 जून और 14 जून को कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा का अनुमान जताया है।

आधा देश भीषण गर्मी की चपेट में

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बुधवार सुबह 8:30 बजे तक बीते 24 घंटे के दौरान जम्मू-कश्मीर, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भीषण गर्मी के साथ तीव्र लू चली। हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भी लू चली और झुलसा देने वाली गर्मी महसूस की गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में रात में भी अत्यधिक गर्मी रही। पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी कई स्थानों पर रात में उमस के साथ तेज गर्मी की स्थिति बनी रही।

दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस

दिल्ली-एनसीआर के ज्यादातर स्थानों पर अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जो इस साल का सर्वाधिक है। दिल्ली के आयानगर में सबसे अधिक 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। लेकिन हीट इंडेक्स 51.9 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे अधिक गर्मी महसूस की गई। सुबह 10 बजे के बाद ही घर से निकलना मुश्किल हो गया और झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है। आईएमडी की तरफ से दोपहर दो बजे जारी बुलेटिन के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर लू की स्थिति बन रहेगी और पारा 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। राजधानी में सुबह के समय आर्द्रता का स्तर 39 प्रतिशत रहा, लेकिन गर्मी और गर्म दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के कारण परेशानी और बढ़ गई है। अगले दो दिन समूचा दिल्ली-एनसीआर रेड अलर्ट पर है।

कार्तिक ने शेयर की 'तू मेरी मैं तेरा मैं...' के सेट से BTS तस्वीरें, फैंस ने किए मजेदार कमेंट्स

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' के सेट से कई तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में फिल्म के लोकेशन की कई तस्वीरें सामने आई हैं, जिन्हें देखकर कार्तिक के फैंस बेहद खुश हो रहे हैं।

कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। इन शानदार तस्वीरों के साथ कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, 'तो 'हवार' बहुत अच्छा क्रोएशिया - तू मेरी मैं तेरा।' कार्तिक की इस पोस्ट पर रेमो डिसूजा की पत्नी लिजेल ने लाल दुल वाले इमोजी बनाए हैं।

फैंस के कमेंट्स

कार्तिक की इस पोस्ट के बाद प्रशंसकों ने कई मजेदार कमेंट किए। एक फैन ने लिखा, 'मास्टरमाइंड शेफ', एक और फैन ने लिखा, 'पसंदीदा व्यक्ति', एक और फैन ने लिखा, 'गुलाबी कार गुलाबी शर्ट', एक और फैन ने लिखा, 'हॉट लग रहे हो भाई', एक और फैन ने लिखा, 'गर्मी की तपिश को मात देते हुए हमारे रे क्रोएशिया में तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग करते हुए अपने समय का आनंद ले रहे हैं', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत आकर्षक और सुंदर लग रहे हो, एक दम रोमांटिक कॉमेडी, हीरो मटेरियल।'

कार्तिक का वर्कफ्रंट

कार्तिक आर्यन की फिल्म #TuMeriMainTeraMainTeraTuMeri अगले वैलेंटाइन डे यानी 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की जोड़ी नजर आएगी। हाल ही में कार्तिक ने फिल्म से अनन्या और अपनी एक खास तस्वीर शेयर की थी। इस फिल्म के अलावा कार्तिक एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

तो क्या आलिया भट्ट ने बदल लिया अपना नाम ? वायरल हो रही होटल की तस्वीर

आलिया भट्ट सबसे ज्यादा चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने रणबीर कपूर से शादी की है लेकिन वह अभी भी अपना नाम आलिया भट्ट लिखती हैं। हालांकि अब ऐसा लगता है कि आलिया भट्ट ने आखिरकार अपना सरनेम बदलकर 'कपूर' कर लिया है। आलिया भट्ट ने पहले भी कहा था कि वह अपने नाम में 'कपूर' जोड़ना चाहती हैं, लेकिन उनके पास कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए समय नहीं है। हालांकि, उनके लेटेस्ट व्लॉग की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसे देखकर लगता है कि आलिया ने अपना सरनेम बदल लिया है।

अपने व्लॉग की एक झलक में, आलिया अपने होटल के कमरे में खड़ी हैं। यहां पीछे बहुत अच्छे शब्दों में उनका स्वागत किया गया है। होटल ने उन्हें 'प्रिय आलिया कपूर' कहकर संबोधित किया है। इस तरह से देखें तो ऐसा लगता है कि अभिनेत्री ने आखिरकार अपने आधिकारिक दस्तावेजों में अपना नाम बदल लिया है। हालांकि इस तस्वीर पर यूजर्स अलग-अलग कमेंट कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा है 'लेकिन वह हमेशा मेरे लिए आलिया भट्ट ही रहेंगी, नाम में वजन आ गया है अभी। यह अब एक ब्रांड नाम है।' आलिया भट्ट ने कॉफी विद करण में अपने आपको आलिया भट्ट कपूर बुलाया था। इसके बारे में एक यूजर ने लिखा कि 'मुझे लगा कि यह आलिया भट्ट कपूर थीं क्योंकि उन्होंने पहले कॉफी विद करण में ऐसा कहा था। इसके बाद रणवीर काफी खुश हो गए थे कि आखिरकार उन्होंने अपने नाम के आगे कपूर लगाया।' एक और यूजर ने लिखा है 'कपूर को कानूनी तौर पर जोड़ा जाएगा क्योंकि इससे यात्रा करना और बाकी सब आसान हो जाएगा। वह अपने स्क्रीन नाम में भट्ट लगाएंगी।'

आलिया की शादी और उनका काम

आपको बता दें कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने कई सालों की डेटिंग के बाद अप्रैल 2022 में शादी कर ली। दोनों की मुलाकात 2022 की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के सेट पर हुई थी।

अखिल के रिसेप्शन में भाई नागा चैतन्य और भाभी शोभिता ने लूटी महफिल

अखिल अक्किनेनी और जैनब रावजी ने हैदराबाद में विवाह समारोह के बाद ग्रैंड रिसेप्शन किया। इस दौरान अखिल के भाई और भाभी यानी सोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य ने खूब सुर्खियां बटोरीं।

नागार्जुन के बेटे अखिल अक्किनेनी ने जैनब रावजी से शादी कर ली है। शादी के बाद ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया। वहीं अब रिस्पेशन की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन सभी में शोभिता और नागा के लुक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अखिल के भाई नागा और भाभी शोभिता नवविवाहित जोड़े और परिवार के साथ पोज देते नजर आए।

अखिल और जैनब का ग्रैंड रिसेप्शन

युवा अभिनेता अखिल अक्किनेनी ने हाल ही में जैनब रावजी के साथ एक साधारण समारोह में शादी की, जिसमें केवल करीबी परिवार और दोस्त शामिल थे। शादी भले ही सादगी से हुई, लेकिन रिसेप्शन बहुत शानदार रहा, जिसमें फिल्म और राजनीति से जुड़े कई बड़े लोग शामिल हुए।

नागा और शोभिता ने लूटी लाइमलाइट

अखिल के रिसेप्शन में सबसे ज्यादा ध्यान नागा चैतन्य और उनकी पत्नी शोभिता धुलिपाला ने खींचा। यह जोड़ा बहुत स्टाइलिश अंदाज में पहुंचा और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। उनकी मौजूदगी ने समारोह को और खास बना दिया।

शोभिता और नागा का लुक

अपने देवर के रिसेप्शन में शोभिता ने लाल साड़ी और सुनहरे गोल्ड रंग का ब्लाउज पहना, जिसमें वह बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उनके हेयरस्टाइल और मेकअप ने उनके लुक को और इनहैंस किया। वहीं दूल्हे के भाई नागा चैतन्य ने काला सूट, सफेद शर्ट और लाल पॉकेट स्क्वायर पहना, जो शोभिता की साड़ी से मेल खाता दिखा। उनके स्टाइलिश और एक-दूसरे से मेल खाते लुक ने उन्हें समारोह का सबसे चर्चित जोड़ा बना दिया। यह जोड़ा एक साथ कम ही सार्वजनिक रूप से नजर आता है, इसलिए अक्किनेनी के प्रशंसक उन्हें इस खास मौके पर साथ देखकर बहुत खुश हुए।

फैंस के कमेंट्स

हाल ही में शोभिता ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अखिल के रिसेप्शन की कई तस्वीरें शेयर की थीं। उनकी इन तस्वीरों पर फैंस ने जमकर कमेंट किए। एक फैन ने लिखा, 'मुझे उनसे और उनके लुक से प्यार हो गया है' एक और फैन ने लिखा, 'शोभिता बहुत अच्छी लग रही हैं' एक और फैन ने लिखा, 'दोनों साथ में हॉट।'

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com